www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-40 • पृष्ठ-8 • मूल्य-01 रूपये • मंगलवार 15 अक्टूबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

8 दिन, सूबे के 2 पुलिस अफसरों ने दी जान

एएसआई ने खुद को मारी गोली, परिवार का पोस्टमार्टम को ना

समर न्यूज़ | रोहतक

हरियाणा के रोहतक जिले में पुलिस विभाग से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। साइबर सेल में तैनात एएसआई संदीप कुमार लाठर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एएसआई की आत्महत्या से अब तक जो संवेदना एडीजीपी पूरन कुमार के साथ जुड़ रही थी। लेकिन एएसआई संदीप के सुसाइड नोट से उस धारणा और संवेदना में नया मोड़ ला दिया है। उनका शव एक खेत के मकान से बरामद हुआ। मौके से चार पन्नों का सुसाइड नोट और एक वीडियो मिला है, जिसमें उन्होंने दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। एएसआई संदीप ने अपने नोट में लिखा है कि उन्होंने हमेशा सच्चाई और ईमानदारी का साथ दिया, लेकिन सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार और जातिवाद से वह गहरे तौर पर निराश थे। उन्होंने अपनी 'शहादत' देकर सच्चाई के लिए आवाज उठाई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। पूरन ने करप्शन केस में बदनामी के डर से खुदकुशी की... संदीप कुमार ने अपने चार पेज के सुसाइड नोट में लिखा कि आईपीएस पूरन कुमार ने करप्शन केस में बदनामी के डर से खुदकुशी की थी। एएसआई के अनुसार, पूरन कुमार ने अपने पद का दुरुपयोग किया, अपने नजदीकी लोगों को फायदा पहुंचाया और ईमानदार अफसरों को दरकिनार किया। संदीप ने आरोप लगाया कि एक मर्डर केस में पूरन कुमार ने पैसे लेकर राव इंद्रजीत सिंह को बचाने की कोशिश की और इसके लिए "50 करोड़ की डील" की बात कही। उन्होंने दावा किया कि पूरन कुमार की भ्रष्ट गतिविधियों के कई सबूत मौजूद हैं और "गिरफ्तारी के डर से उन्होंने आत्महत्या की थी।" वीडियो में कहा — 'मैं भगत सिंह का फैन हूं, सच्चाई की कीमत बहुत बड़ी होती है... मृतक एएसआई का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह कहते हैं —"मैं संदीप कुमार आपको एक सच्चाई से अवगत कराना चाहता हूं। सच्चाई की कीमत बहुत बड़ी होती है। भगत सिंह ने भी त्याग किया था, तब देश जागा था। मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा हूं। यह IAS-IPS लॉबी सिस्टम को हाइजैक कर रही है। मैं भगत सिंह का फैन हूं, और सच्चाई के लिए यह कदम उठा रहा हूं।" 'जांच होनी चाहिए, भ्रष्ट परिवार को न छोड़ा जाए' सुसाइड नोट में संदीप ने लिखा —"मैं अपनी शहादत देकर मांग करता हूं कि इस भ्रष्टाचार परिवार को छोड़ा न जाए। पूरन कुमार ने अपने परिवार और राजनीति को बचाने के लिए खुदकुशी की। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।" गौरतलब है कि वाई. पूरन कुमार ने कुछ समय पहले खुद आत्महत्या की थी। उस समय यह माना गया था कि उन्होंने करप्शन केस में फंसने और राजनीतिक दबाव के चलते यह कदम उठाया। संदीप के ताये के बेटे ने कहा कि उसकी हत्या की गई है और वो इसका पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे। अब एएसआई संदीप की मौत ने इस मामले को एक नया और सनसनीखेज मोड़ दे दिया है।

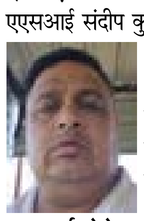
एसआई फोटो।

राहुल बोले : सरकार तमाशा बंद करे, एसआईटी गठित, पोस्टमॉर्टम अटका

राहुल गांधी आईपीएस वाई. पूरन कुमार के परिवार के साथ मुलाकात करते हुए।

हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या को 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। इस बीच, मामला लगातार राजनीतिक रूप से गर्म होता जा रहा है। मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिवंगत अधिकारी के परिवार से मिलने चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-24 में उनके आवास पहुंचे और हरियाणा सरकार पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि "सरकार तमाशा बंद करे, परिवार पर प्रेशर डालना बंद करे और अफसरों को तुरंत गिरफ्तार करे। मुख्यमंत्री ने जांच और कार्रवाई का जो वादा किया था, वह अब तक पूरा नहीं हुआ। यह किसी एक परिवार का मामला नहीं, पूरे देश के दलित समाज की गरिमा से जुड़ा प्रश्न है।"

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मामले में तुरंत एक्शन लेने की अपील की। राहुल ने कहा, "पूरन कुमार को सिस्टमेटिक तरीके से डिमोरलाइज किया गया। कुछ अफसर मिलकर उन्हें मानसिक रूप से तोड़ रहे थे। यह सिर्फ एक अधिकारी की नहीं, बल्कि देश के करोड़ों दलित भाई-बहनों की लड़ाई है।

ईपीएस पूरन कुमार के शव का पोस्टमॉर्टम लगातार टल रहा है। पुलिस ने परिवार को चेतावनी दी है कि ज्यादा देरी होने पर महत्वपूर्ण साक्ष्य नष्ट हो सकते हैं।

कपूर छुट्टी पर, ओपी बने कार्यवाहक डीजीपी

राज्य सरकार ने सोमवार देर रात बड़ा फैसला लेते हुए हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया। उनकी जगह 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी ओमप्रकाश सिंह को कार्यकारी डीजीपी नियुक्त किया गया है। ओपी सिंह मूल रूप से बिहार के जमुई जिले के निवासी हैं और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। सरकार के आदेश में कहा गया है कि ओपी सिंह को डीजीपी के अतिरिक्त प्रभार के साथ फोरेंसिक साइंस लैब और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो हरियाणा की जिम्मेदारी भी दी गई है।

▪ राजनीतिक दबाव बढ़ा, प्रदर्शन तेज... इसी क्रम में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। चंडीगढ़ पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए छह सदस्यीय SIT गठित की है।

▪ राजनीतिक असर - पीएम की रैली भी रद्द... राज्य में बढ़ते विवाद के बीच बीजेपी ने 17 अक्टूबर को सोनीपत में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली रद्द कर दी। पार्टी ने इसका कारण स्पष्ट नहीं बताया, लेकिन माना जा रहा है कि पूरन कुमार केस और बढ़ते विरोध के चलते यह निर्णय लिया गया।

डीआईजी हाउस में एएसआई की गोली लगने से मौत, जांच में जुटी पुलिस

अशवनी पाहवा/समर न्यूज़ | लुधियाना

रानी झांसी रोड स्थित डीआईजी रेंज रेजिडेंस में मंगलवार तड़के ड्यूटी पर तैनात 50 साल के एएसआई तीर्थ सिंह ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली सिर में लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर 8 की पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। **▪ ड्यूटी के दौरान हुई दर्दनाक घटना...** पुलिस के अनुसार, मृतक एएसआई तीर्थ सिंह मूल रूप से मुल्लापुर दाखा के गांव तेहलपुर के रहने वाले थे और पिछले करीब पांच वर्षों से डीआईजी रेंज लुधियाना में मिसलेनियस स्टोर कीपर के रूप में तैनात थे। सोमवार देर रात वे अपनी निर्धारित ड्यूटी पर मौजूद थे। मंगलवार तड़के करीब 3 बजे गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो उन्होंने एएसआई को खून से लथपथ हालत में जमीन पर पड़ा हुआ पाया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत डीआईजी और थाना डिवीजन 8 की पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल से सर्विस रिवॉल्वर बरामद कर जांच शुरू की। **▪ पुलिस के 2 एंगल : आत्महत्या या हादसा...** प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। हालांकि, पुलिस यह संभावना भी मानकर चल रही है कि ड्यूटी के दौरान हथियार हैंडल करते समय अनजाने में गोली चल गई हो। डीआईजी सतिंदर सिंह ने बताया, "मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। यह आत्महत्या है या हादसा, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।"

तीर्थ सिंह की फ़ाइल फ़ोटो।

▪ कनाडा में रहते हैं तीनों बच्चे... पुलिस के मुताबिक, मृतक के परिवार के सभी सदस्य कनाडा में स्थायी रूप से बसे हुए हैं। उनके तीन बच्चे एक बेटा और दो बेटियां भी वहीं रहते हैं। घटना की जानकारी स्थानीय रिश्तेदारों और विदेश में रह रहे परिवार को दे दी गई है। परिवार के सदस्यों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम और अन्य औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। **▪ मानसिक तनाव की भी जांच...** सहकर्मियों का कहना है कि मृतक बीती रात कुछ गुमसुम और तनावग्रस्त लग रहे थे। पुलिस ने उनके साथियों और परिजनों से पूछताछ शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किसी मानसिक या पारिवारिक परेशानी से गुजर रहे थे या नहीं। थाना डिवीजन नंबर 8 के एसएचओ अमृतपाल शर्मा ने बताया कि घटनास्थल की जांच पूरी कर ली गई है। शव और सर्विस रिवॉल्वर को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। **▪ डीआईजी कार्यालय ने जताया दुख...** डीआईजी कार्यालय के अधिकारियों ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि विभाग मृतक के परिवार को हरसंभव मदद प्रदान करेगा।

हिमाचल, हरियाणा, पंजाब में दिन में धूप और रात में होती हल्की ठंड

शगुन कश्यप / समर न्यूज़ | शिमला

राजधानी शिमला समेत पूरे हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को मौसम साफ़ रहा। धूप खिलने से लोगों ने राहत की सांस ली। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के बाद अब 20 अक्टूबर तक प्रदेश में मौसम साफ़ बने रहने का पूर्वानुमान है। पिछले चार दिनों से लगातार खिल रही धूप के चलते मौसम सुहावना हो गया है। जहां मैदानी इलाकों में तेज धूप ने लोगों के पसीने छुड़वा दिए हैं, वहीं ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले एक सप्ताह तक हिमाचल का मौसम पूरी तरह साफ़ रहेगा। इससे दिन और रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी। बीते आठ दिनों में पहली बार न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर पहुंचा है। कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था, लेकिन अब यह सामान्य या उससे अधिक दर्ज किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश का औसत तापमान सामान्य से अधिक है। लाहौल-स्पीति के केलांग में न्यूनतम तापमान माइनस 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जबकि ऊना में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। शिमला में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री और अधिकतम 21.8 डिग्री, जबकि मनाली में न्यूनतम 6.5 डिग्री और अधिकतम 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा के अनुसार, 20 अक्टूबर तक पूरे हिमाचल में मौसम साफ़ रहेगा। पहाड़ी इलाकों में सुबह और शाम हल्की ठंड बढ़ेगी।

जानकारी देते हुए शिमला मौसम वैज्ञानिक।

▪ हरियाणा और पंजाब में भी रहेगा साफ़ आसमान... हरियाणा और पंजाब में भी आने वाले दिनों में मौसम साफ़ रहेगा। हवा में हल्की धुंध और प्रदूषण का असर देखने को मिलेगा। दिन का तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। तेज धूप के बीच वातावरण में स्मॉग की परत से आसमान कुछ धुंधला दिख सकता है। बारिश की कोई संभावना नहीं है। हवा की गुणवत्ता सामान्य से खराब रहने की संभावना है, खासकर दोपहर के समय जब तापमान अधिक रहेगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होगा, जिससे आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि दर्ज की जाएगी।

▪ लोगों को सलाह... मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे धूप से बचने के लिए टोपी या छतरी का उपयोग करें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। सांस से जुड़ी बीमारियों वाले लोगों को सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। रात के समय हल्की ठंडी हवाएं चलने के कारण गरम कपड़े साथ रखना भी उचित रहेगा। कुल मिलाकर, हिमाचल, हरियाणा और पंजाब में आने वाले दिनों तक मौसम शुष्क, सुहावना और कुछ हद तक प्रदूषित रहने वाला है

फिल्लौर सस्पेंड एसएचओ पर नए आरोप, पीड़िताएं बोलीं-फोन पर की गंदी बातें

• महिला आयोग ने मांगे सीसीटीवी फुटेज, वर्दी की आड़ में शोषण बर्दाश्त नहीं करेंगे

समर न्यूज़ | जालंधर

पंजाब के जालंधर जिले के फिल्लौर थाने के एसएचओ भूषण कुमार एक बार फिर विवादों में हैं। पहले से ही एक दुष्कर्म पीड़िता की मां को अकेले थाने बुलाने के आरोप में सस्पेंड चल रहे एसएचओ पर अब दो और महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

दोनों महिलाओं ने पंजाब राज्य महिला आयोग को शिकायत सौंपी है और कॉल रिकॉर्डिंग्स के रूप में नए सबूत जमा किए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि एसएचओ भूषण कुमार ने फोन पर अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया और अनुचित व्यवहार किया।

एसएचओ भूषण।

▪ फोन पर अश्लील बातें कीं, पीछा नहीं छोड़ा : एक महिला ने आयोग को बताया कि एसएचओ ने उसके साथ फोन पर अशोभनीय बातचीत की और परेशान करने की कोशिश की। दूसरी महिला का कहना है कि "परिवार ने यह कहकर मामला शांत करने की कोशिश की कि मैं विदेश जा चुकी हूं, लेकिन एसएचओ ने उसके बाद भी पीछा नहीं छोड़ा। एक मौके पर उसने सार्वजनिक रूप से अनुचित व्यवहार किया। महिलाओं ने बताया कि उन्होंने पहले लोक इंसाफ मंच से संपर्क किया, जिसके माध्यम से वे महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल तक पहुंचीं।

▪ महिला आयोग का रुख सख्त : राज लाली गिल ने पुष्टि की है कि आयोग को शिकायतें प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा, "पीड़िताओं की बातों को गंभीरता से सुना गया है। उन्होंने जो कॉल रिकॉर्डिंग्स दी हैं, उनमें बेहद अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया गया है। वर्दी की आड़ में महिलाओं का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" आयोग ने फिल्लौर थाने के सीसीटीवी फुटेज भी तलब किए हैं और मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। बता दें कि कुछ समय पहले एसएचओ भूषण कुमार को रेप पीड़िता की मां को देर रात अकेले थाने बुलाने के आरोप में निलंबित किया गया था। अब नए आरोप सामने आने के बाद पुलिस विभाग और महिला आयोग दोनों ही इसमें कार्रवाई करने की तैयारी में जुट गए हैं।

दुनिया का शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप का 11वां टेस्ट सफल

नई दिल्ली| दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप ने मंगलवार (14 अक्टूबर) की सुबह एक और कामयाबी हासिल की। स्पेसएक्स द्वारा विकसित इस रॉकेट का 11वां टेस्ट फ्लाइट स्थानीय समयानुसार सुबह 5 बजे अमेरिका के टेक्सास स्थित बोका चिका लॉन्च साइट से किया गया। यह उड़ान करीब 1 घंटा 6 मिनट तक चली। इस दौरान सुपर हैवी बूस्टर ने मेक्सिको की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग की, जबकि स्टारशिप ने हिंद महासागर में सफल वॉटर लैंडिंग की। स्पेसएक्स के संस्थापक और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क ने बताया कि यह मिशन रीयूजेबल रॉकेट तकनीक की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

महिला ने डॉक्टर पर अभद्र व्यवहार का लगाया आरोप, वीडियो वायरल

मंज़ूर / समर न्यूज़ | चंबा

जिला चंबा के तीसा अस्पताल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इलाज कराने आई एक महिला ने डॉक्टर पर मोबाइल फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि उसकी ढाई साल की बच्ची बीमार थी, जिसे वह इलाज के लिए तीसा अस्पताल लेकर पहुंची थी। अस्पताल में मौजूद नर्स ने दवा तो दे दी, लेकिन जब महिला ने डॉक्टर से सीधे बात करने की इच्छा जताई, तो डॉक्टर ने आने से इनकार कर दिया और फोन पर ही अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। पीड़िता ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए संबंधित डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चुराह विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. हंसराज ने भी इस पर संज्ञान लिया। विधायक ने कहा कि मरीज या उसके परिजनों के साथ डॉक्टर द्वारा अभद्र व्यवहार किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सीएमओ चंबा डॉ. विपिन ठाकुर ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से महिला का वीडियो प्राप्त हुआ है, जिसमें तीसा अस्पताल के एक डॉक्टर पर अभद्र भाषा प्रयोग करने का आरोप लगाया गया है। इस पर संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं। तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है, जो तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गुड न्यूज़

सोना बना फिर बेहतर विकल्प, यही है सही समय त्योहारी खरीदारी और निवेश दोनों के लिए

नई जीएसटी दरों से सोने-चांदी के दामों में गिरावट: खरीदारों में राहत की लहर

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

यह खबर उन खरीदारों और निवेशकों के लिए राहत लेकर आई है, जो लंबे समय से लगातार आसमान छूते सोने के भाव पर नजर रखे हुए थे। साल 2025 की शुरुआत सोने-चांदी के बाजार के लिए बड़े बदलाव के साथ हुई है। और अब साल के अंत में गुड न्यूज लेकर आया है। सरकार द्वारा की गई जीएसटी संरचना में संशोधन के बाद देशभर में सोने के दामों में अचानक गिरावट दर्ज की गई है।

▪ नई जीएसटी नीति और उसका असर : केंद्र सरकार ने हाल ही में ज्वेलरी सेक्टर में जीएसटी दरों में मामूली बदलाव किया है। पहले सोने पर 3% जीएसटी लगता था, जिसे अब 2025 के नए नियमों के तहत थोड़ा घटाया गया है। इस छोटे-से कर सुधार ने बाजार में बड़ा असर डाला है। ज्वैलर्स ने दामों में संशोधन शुरू कर दिया है, जिसके चलते सोने के भाव 10 ग्राम पर कुछ सौ रुपये तक नीचे आए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने और लोगों को अनियमित बाजार के बजाय जीएसटी पंजीकृत दुकानों से खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस टैक्स कटौती के बाद सोने के गहने, सिक्के और बार पहले की तुलना में सस्ते हो गए हैं, जिससे यह त्योहारी खरीदारी और निवेश दोनों के लिए अनुकूल समय बन गया है।

आज के सोने के भाव

▪ आज सोने की कीमतों में पिछले सप्ताह की तुलना में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई : दिल्ली में 24 कैरेट सोना 61,200 प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुँच गया है। वहीं 22 कैरेट सोना लगभग 56,100 प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।

मुंबई और चेन्नई में भी औसतन 500 से 700 प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है।

पटियाला में 24 कैरेट सोने का रेट 1 लाख 32 हजार और 22 कैरेट सोने का रेट 1 लाख 22 हजार है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने के दामों में हल्की नरमी आई है, जिससे घरेलू बाजार में यह गिरावट और तेज़ महसूस की गई।

विश्लेषकों के अनुसार यह अल्पकालिक सुधार है, लेकिन निवेश के इच्छुक लोगों के लिए सुनहरा अवसर साबित हो सकता है। इसके अलावा इस फेस्टिव सीजन में जो भी गहने खरीदने के इच्छुक हैं। उनके लिए यही सही मौका है।

चांदी के भाव में गिरावट

▪ नई जीएसटी दरों का असर सिर्फ सोने पर नहीं, चांदी के बाजार पर भी पड़ा है : *कुछ सप्ताह पहले 78,000 प्रति किलो पर बिक रही चांदी अब 76,500 प्रति किलो के स्तर पर आ गई है। इस गिरावट के पीछे जहां जीएसटी सुधार है, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं पर दबाव भी एक कारण बताया जा रहा है।*

शादी या अन्य पारिवारिक आयोजनों की तैयारी कर रहे परिवारों के लिए यह खबर राहत भरी साबित हुई है। कई खरीदार जो ऊंचे दामों के कारण खरीदारी टाल रहे थे, अब फिर से बाजार की ओर लौट रहे हैं।

निवेशकों और खरीदारों के लिए क्या मायने

विशेषज्ञों का कहना है कि यह समय छोटे निवेशकों और आम खरीदारों के लिए सुनहरा मौका है। कम जीएसटी दर और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी के चलते सोना फिर से एक आकर्षक निवेश विकल्प बन गया है। हालांकि, दीर्घकालिक निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे बाजार पर नज़र बनाए रखें, क्योंकि डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों जैसे वैश्विक कारक आगे चलकर सोने के दामों को प्रभावित कर सकते हैं।

नई जीएसटी दरों से सोना और चांदी दोनों की कीमतों में आई गिरावट ने बाजार में फिर से रौनक लौटा दी है। त्योहारों और शादियों के इस मौसम में खरीदारों के लिए यह समय सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों की सलाह है कि बड़ी खरीदारी से पहले रोज़ाना के भाव जांचें और विश्वसनीय ज्वेलर्स से ही खरीदारी करें, क्योंकि बाजार के रुझान किसी भी समय बदल सकते हैं।

अब भारत और पाक मिलकर रहेंगे : ट्रम्प

मिस्र| अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान अब आपसी सहयोग और शांति के साथ रहेंगे। यह बयान उन्होंने मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित गाजा पीस समिट के दौरान दिया। बयान देते समय ट्रम्प ने पीछे बैठे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर मुड़कर मुस्कुराते हुए पूछा "ऐसा ही है न?" उनके इस सवाल पर मंच पर मौजूद अन्य नेता भी हंस पड़े। ट्रम्प ने आगे भारत की तारीफ करते हुए कहा कि "भारत एक महान देश है, और उसके शीर्ष पर मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है, जिसने शानदार काम किया है।" हालांकि उन्होंने नरेंद्र मोदी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन इशारा साफ तौर पर उन्हीं की ओर था। ट्रम्प का यह बयान उस समय आया है जब हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच मई महीने में हुए संघर्ष को रोकने में अमेरिकी मध्यस्थता की भूमिका को लेकर चर्चाएं चल रही हैं।

मुख्यमंत्री मान ने बेंगलुरु के औद्योगिक दिग्गजों से मुलाकात कर पंजाब में निवेश का आह्वान किया

सरकार ने उद्योग के लिए पारदर्शी नीतियां बनाई, विश्व भर से उद्योगपति पंजाब में कर रहे निवेशःसीएम मान

समर न्यूज़| बेंगलुरु

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब को निवेश के लिए प्राथमिकता वाला स्थान बताते हुए उद्योगपतियों को अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए राज्य में निवेश करने का निमंत्रण दिया। यहां प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने दक्षिणी भारतीय राज्य कर्नाटक की राजधानी में औद्योगिक क्षेत्र के दिग्गजों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु को भारत का सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र और भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में जाना जाता है। उद्यमियों को पंजाब में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए, भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पवित्र भूमि महान गुरुओं, संतों-महापुरुषों और शहीदों की कृपा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब के पास एक समृद्ध और अनूठी सांस्कृतिक विरासत है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बहादुरी, कड़ी मेहनत और उद्यमी भावना पंजाब की मिट्टी के कण-कण में समाई हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने लंबे समय से देश की सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन कारणों से पंजाब को अक्सर भारत का अन्नदाता और भारत की खड्गभुजा कहा जाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के मेहनती लोग अपने समर्पण और लगन के लिए जाने जाते हैं, जिसके कारण राज्य में उद्योग और उद्यम लगातार फल-

फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब लगातार औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और राज्य की उद्योग-समर्थक नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और व्यवसाय-अनुकूल माहौल के कारण बड़ी संख्या में निवेश राज्य की ओर आकर्षित हो रहा है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि पंजाब के सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल ने औद्योगिक निवेश को बड़ा बढ़ावा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2022 से अब तक पंजाब को 1.23 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 4.7 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, ऑटो कंपोनेंट, हैंड टूल, साइकिल, आईटी और पर्यटन जैसे क्षेत्र अन्य राज्यों के लिए मिसाल बन रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब में नेस्ले, क्लास, फ्रूडेनबर्ग, कारगिल, वरबियो, डैनोन और विश्व स्तर की अन्य प्रमुख कंपनियों ने अपनी इकाइयां स्थापित की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि जमशेदपुर के बाद टाटा का भारत में दूसरा सबसे बड़ा स्टील प्लांट लुधियाना में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लुधियाना, जो विश्व स्तर पर एक औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता है, राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसे वास्तव में पंजाब की वाणिज्यिक राजधानी माना जाता है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब जापान, अमेरिका, जर्मनी, यूके, यूएई, स्विट्जरलैंड, फ्रांस और स्पेन जैसे विकसित देशों से निवेश आकर्षित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि यह केवल शुरुआत है क्योंकि पंजाब न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए निवेश के प्राथमिकता वाले स्थानों के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने केवल साढ़े तीन वर्षों में उद्योगपतियों को दी गई कई गारंटियों को पूरा कर दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार के ठोस प्रयासों के कारण पंजाब अब व्यवसाय करने में आसानी के मामले में शीर्ष स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फास्ट ट्रैक पंजाब पोर्टल भारत का अत्याधुनिक सिंगल-विंडो सिस्टम है, जिसमें 150 से अधिक व्यावसायिक सेवाएं प्रदान की जाती हैं और इससे ऑफलाइन आवेदन जमा करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि पंजाब राइट टू बिजनेस एक्ट के तहत, राज्य सरकार ने 125 करोड़ रुपए तक के निवेश वाले परियोजनाओं को तीन दिनों के भीतर सैद्धांतिक मंजूरी दी है। भगवंत सिंह मान ने आगे बताया कि मंजूरी देने के लिए 45 दिनों की समय सीमा निर्धारित की गई है और यदि इस अवधि के दौरान मंजूरी जारी नहीं की जाती, तो उन्हें स्वतः ही स्वीकृत माना जाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेशकों को व्हाट्सएप, ए.आई. चैटबॉट्स और कॉल सेंटरों के माध्यम से नियमित रूप से सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने आगे बताया कि फायर एन.ओ.सी. नवीनीकरण के लिए समय अवधि बढ़ा दी गई है और लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में परिवर्तन की प्रक्रिया को और सरल बनाया गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार का दृढ़ विश्वास है कि वास्तविक औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब सरकार और उद्योग कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसलिए निवेशकों और उद्यमियों को पंजाब के औद्योगिक भविष्य के लिए मुख्य साझेदार माना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 24 विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के लिए समितियां स्थापित की हैं, जिनका उद्देश्य प्रत्येक के लिए लक्षित रणनीतियां और रोडमैप तैयार करना है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि निवेश पंजाब के समर्पित अधिकारी उद्योगपतियों को हर संभव सहायता देने के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आगे बताया कि छठा प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 13, 14 और 15 मार्च 2026 को मोहाली में आयोजित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लेने के लिए सभी निवेशकों को निमंत्रण देते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को विचारों के आदान-प्रदान और अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा। भगवंत सिंह मान ने सभी उद्योगपतियों से उद्योग-समर्थक नीतियां बनाने में सक्रिय रूप से योगदान देने और अपने मूल्यवान सुझाव साझा करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में आर्थिक और औद्योगिक विकास के लिए असीम संभावनाएं हैं, लेकिन पंजाब के विकास के लिए उद्योगपतियों का समर्थन अत्यंत आवश्यक है।

सिर्फ दो दिनों में तीसरी एके-47 राइफल हुई बरामद

अमेरिका स्थित गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी ने पाकिस्तान से हथियारों की खेप का किया था प्रबंधः डीजीपी गौरव यादव

समर न्यूज़| अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार सुरक्षित और शांतिपूर्ण त्योहारों के सीजन को सुनिश्चित करने के लिए चल रही विशेष जांच और कार्रवाई के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक ए.के.-47 राइफल, दो मैगज़ीन और 60 जिंदा कारतूस, साथ ही तीन 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलें, सात मैगज़ीन और 50 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ गिंदर निवासी संगराई (गुरदासपुर), विपिन कुमार उर्फ मनीष निवासी मरियांवाल, बटाला, और चमकौर सिंह निवासी नत्त, बटाला, जिला गुरदासपुर के रूप में हुई है। यह कार्रवाई उस बरामदगी के एक दिन बाद की गई है, जिसमें तरनतारन जिले के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास दो ए.के.-47 राइफलें और एक पीएक्स5 पिस्तौल सहित तीन हथियारों की खेप बरामद की गई थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अमेरिका स्थित गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी ने पाकिस्तान से इस खेप की व्यवस्था की थी। यह खेप सितंबर 2025 के मध्य में गुरदासपुर जिले के कलानौर क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास ड्रोन के जरिए गिराई गई थी, जिसे गिरफ्तार आरोपियों ने प्राप्त किया था। डीजीपी ने कहा कि तस्करों की पहचान करने, इस मामले के अगले पिछले संबंधों को सुलझाने और पूरे तस्करी नेटवर्क को समाप्त करने के लिए जांच जारी है। ए.आई.जी. (एसएसओसी) अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने कार्रवाई से संबंधित विवरण साझा करते हुए बताया कि गिंदर और मनीष की गिरफ्तारी के दौरान एक ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई थी, जिसके बाद चमकौर सिंह का नाम सामने आया। इसके बाद उसे भी गिरफ्तार किया गया और प्रारंभिक कार्रवाई के दौरान यह बरामदगियां की गईं। ए.आई.जी. ने बताया कि गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी का नाम जुगराज सिंह सरपंच चीमा खुड़ी की हत्या में भी सामने आया है, जिसकी जिम्मेदारी मनू अगवान गिरोह ने ली थी। इस संबंध में आगे की जांच जारी है। इस संबंध में, आर्म्स एक्ट की धारा 25, भारतीय बीएनएस की धारा 61(2) और एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 के तहत एफआईआर नंबर 55 दिनांक 02/10/2025 थाना एसएसओसी अमृतसर में पहले से ही दर्ज है।

‘युद्ध नशों विरुद्ध’ के 227वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 3 किलो हेरोइन समेत 76 नशा तस्कर किए काबू

समर न्यूज़| चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर राज्य से नशे के पूर्ण उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे ‘युद्ध नशों विरुद्ध’ अभियान के 227वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज 365 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्यभर में 55 एफआईआर दर्ज कर 76 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 227 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 32,979 तक पहुंच गई है। इन छापों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 3 किलोग्राम हेरोइन, 506 ग्राम अफीम, 44 किलो भुक्की, 406 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1500 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपीज़ को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशे के खिलाफ चल रही इस मुहिम की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। इस अभियान के दौरान 72 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1100 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 365 स्थानों पर छापेमारी की। बताया गया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 406 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशे के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - प्रवर्तन, डि-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की है। इसी रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 32 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार लेने के लिए राजी किया है।

पंजाब ने बेंगलुरु रोड शो के दौरान राज्य में निवेश के व्यापक अवसरों पर डाला प्रकाशः कैबिनेट मंत्री अरोड़ा

समर न्यूज़ | गुरदासपुर

पिछले महीने आयोजित एनसीआर रोड शो की शानदार सफलता के बाद, पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री संजीव अरोड़ा की मौजूदगी में प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 के तहत अपनी पहुंच को जारी रखते हुए बेंगलुरु में एक प्रभावशाली रोड शो आयोजित किया। कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों के साथ बैठकें की गईं और इसके बाद द ओबेरॉय, एम.जी. रोड, बेंगलुरु में पंजाब सत्र का आयोजन किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों के साथ बैठकों के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने सेमीकंडक्टर और एआई क्षेत्र की अग्रणी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल के साथ बैठक की। इस बैठक के दौरान कंपनी ने इस क्षेत्र में अपनी आवश्यकताओं पर चर्चा की। उन्होंने आगे बताया कि स्पेशलिटी स्टील और अलॉय उद्योग की अग्रणी कंपनी अरजस स्टील प्राइवेट लिमिटेड ने लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ पंजाब में अपने संचालन के विस्तार की योजना की घोषणा की। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि अतिथि सत्कार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड राज्य में नए हेरिटेज होटलों और पर्यटन अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं का अध्ययन करेगी। उन्होंने बताया कि आईटी और आईटीईएस सेक्टर की प्रतिनिधि कंपनी सोनेट सॉफ्टवेयर लिमिटेड

ने पंजाब में डिजिटल परिवर्तन, क्लाउड, डेटा एनालिटिक्स और एआई-आधारित सेवाओं की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस और रक्षा तकनीक की अग्रणी कंपनी आइडिया फोर्ज के साथ उन्नत यूएवी और एकीकृत एरियल निगरानी प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। अन्य विवरण सांझे करते हुये उन्होंने कहा कि एरोसपेस और रक्षा क्षेत्र की नुमायंदगी करने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटिड (एच. ए. एल.) के साथ विक्रेता और सप्लायर समर्थकी पहलकदमियां, ख़ास कर इंजीनियरिंग क्षेत्र में एम. एस. एम. ई. यूनिटों को शामिल करके क्षेत्र में रक्षा और एरोसपेस ईकोसिस्टम को मज़बूत करने के मौकों के बारे आपसी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि शाम के पंजाब सत्र में तकनीकी क्षेत्र के उद्यमियों और उद्योगपतियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस सत्र के दौरान वाइब्राकॉस्टिक के अध्यक्ष और हैड आफ ऑपरेशन इंडिया श्री जगमिंदर सिंह बावा, नेटस्माट्र्ज के सह-संस्थापक एवं सीईओ श्री मनीपाल धारीवाल, आईटीसी के निदेशक श्री हेमंत मलिक और हारटेक्स के निदेशक श्री वरुण सुरेखा ने पंजाब में निवेश और संचालन के अपने अनुभव साझा किए। एसटीपीआई मोहाली और एसटीपीआई बेंगलुरु के निदेशकों ने निवेशकों से अपील की कि वे गुरुग्राम और बेंगलुरु के बाद मोहाली को उत्तर भारत में अगले आईटी/जीसीसी/डेटा सेंटर के लिए प्राथमिक स्थान के रूप में विचार करें, जहाँ टीयर-2 लागतों पर टीयर-1 क्षमताओं के साथ साथ ट्रैफिक और भीड़-भाड़ से दूर और प्रमुख शोध संस्थानों से प्रशिक्षित कुशल स्टाफ तक सहज पहुँच की पेशकश करता है। सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी, मोहाली के महानिदेशक ने राज्य के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और भारत की तकनीकी तथा विनिर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने में पंजाब की क्षमताओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जेट्रो, ईओ, एसटीपीआई, वाईपीओ, टीआईई, एसआईडीएम, आईईएसए और अन्य प्रमुख व्यापारिक संगठनों के सदस्यों ने पंजाब के सुधारवादी दृष्टिकोण और निवेशक-हितैषी प्रशासन पर अपने विचार साझा किए।

दीवाली को ध्यान में रखते हुए डीजीपी गौरव यादव ने पूरे राज्य में पुलिस की अधिकतम तैनाती और हाई अलर्ट बढ़ाने के निर्देश दिए

समर न्यूज़| तरनतारन

आने वाले दिनों में दीवाली के त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के निदेशक जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को जिला पुलिस प्रमुखों को पूरे राज्य में पुलिस बल की अधिकतम तैनाती और हाई-एलर्ट नाकों पर चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए। डी जी पी गौरव यादव जो ए डी जी पी एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स प्रमोद बान और ए डी जी पी काउंटर इंटेलिजेंस अमित प्रसाद के साथ दो पुलिस जिलों—तरनतारन और बटाला में सुरक्षा समीक्षा बैठकें की अध्यक्षता कर रहे थे, ने नार्को-आतंकवाद और संगठित अपराध के उभरते खतरों से निपटने के लिए विचार-विमर्श किया। उन्होंने त्योहारों के सीज़न की तैयारियों और पुलिस बल की तैनाती का भी विस्तार से जायज़ा लिया। मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए, डी जी पी गौरव यादव ने कहा कि पाकिस्तान पंजाब में नार्को-आतंकवाद फैला रहा है। उन्होंने कहा, “पिछले कुछ दिनों में, पाकिस्तान नार्को-आतंकवाद को बढ़ावा देकर पंजाब में अशांति पैदा करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन पंजाब पुलिस पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को सक्रिय रूप से नाकाम कर रही है।” उन्होंने बताया कि पाकिस्तान नशीले पदार्थों और हथियारों की खेप पहुंचाने के लिए ड्रोन और अन्य साधनों का इस्तेमाल कर रहा है। डी जी पी ने स्पष्ट किया कि इस हवाई खतरे से निपटने के लिए पंजाब सरकार द्वारा तैनात एंटी-ड्रोन प्रणालियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है। आतंकवाद के खिलाफ की जा रही प्रभावी कार्रवाई के विवरण देते हुए, उन्होंने कहा कि सितंबर 2024 से अब तक पंजाब पुलिस ने 90 मुल्ज़िमों को गिरफ्तार करके 26 आतंकवादी मॉड्यूलों का पर्दाफाश किया है। उन्होंने आगे कहा कि इन आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक, गोली-गोलियां, हैंड ग्रेनेड और आर डी एक्स बरामद किया गया, जिससे आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। संगठित अपराध के संबंध में डी जी पी ने उन मामलों की समीक्षा की जिनमें गिरफ्तारी अभी लंबित है। डी जी पी ने चल रही नशा-विरोधी मुहिम ‘युद्ध नशों विरुद्ध’ की भी समीक्षा की। ‘युद्ध नशों विरुद्ध’ मुहिम के नतीजे साझा करते हुए डी जी पी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस ने 1 मार्च, 2025 से अब तक 21,707 एफ आई आर दर्ज की हैं और 32,903 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2,533 नशा सप्लायर शामिल हैं, और उनके कब्जे से 1,446 किग्रा हेरोइन, 475 किग्रा अफीम, 25 टन भुक्की, 35 किग्रा चरस, 511 किग्रा गांजा, 12 किग्रा आई सी ई , 3.6 किग्रा कोकीन, 39.29 लाख नशीली गोलियां और 13.39 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने एन डी पी एस एक्ट की धारा 68 एफ के तहत नशा तस्करों की 205 करोड़ रुपये की गैर-कानूनी संपत्तियों को भी फ्रीज़ कर लिया है। उन्होंने कहा कि पुनर्वास के संबंध में पंजाब पुलिस ने 62,000 लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए नशा छुड़ाने वाले केंद्रों या ओ ओ टी केंद्रों में भेजा है। डी जी पी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब के ‘सेफ पंजाब’ व्हाट्सएप चैटबोट पोर्टल 9779100200 पर मिली सूचनाओं में 33% पर कार्रवाई की गई है; लोगों से प्राप्त जानकारी के आधार पर 7,285 एफ आई आर दर्ज की गई हैं। उन्होंने लोगों से बिना किसी डर के इस चैटबोट पर नशा तस्करों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी साझा करने को कहा। बैठक में पुलिस कमिश्नर अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर, डी आई जी फिरोजपुर रेंज नीलांबरी जगदले, डी आई जी बॉर्डर रेंज नानक सिंह, डी आई जी ए जी टी एफ गुरमीत चौहान, एस एस पी तरनतारन रवजोत कौर गरेवाल और एस एस पी बटाला सुहेल कासिम मीर अन्य उपस्थित थे।

पंजाब में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए 236 नए आम आदमी क्लीनिक खोले जा रहे हैंः डॉ. बलबीर सिंह

आम आदमी क्लीनिकों में इलाज करवा रहे 96 प्रतिशत मरीज उन्हें दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं से संतुष्टः स्वास्थ्य मंत्री

समर न्यूज़| चंडीगढ़ |

राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल ढांचे को और मजबूत करने के व्यापक मिशन की शुरुआत करते हुए, मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य में 236 नए आम आदमी क्लीनिक खोलने के लिए पूरी तरह तैयार है। इन नए क्लीनिकों के साथ कुल क्लीनिकों की संख्या 1,117 हो जाएगी। यह घोषणा आज यहां पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने की। स्वास्थ्य मंत्री सिविल सर्जनों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। आम आदमी क्लीनिकों की उल्लेखनीय सफलता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस पहल ने आम जनता की गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक देखभाल तक पहुँच में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पंजाब विकास आयोग द्वारा हाल ही में कराए गए मरीज फीडबैक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 96 प्रतिशत मरीजों ने क्लीनिकों की सेवाओं से संतुष्टि व्यक्त की है, जो इन क्लीनिकों की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

राज्य सरकार की नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने सिविल सर्जनों को नए आम आदमी क्लीनिकों की स्थापना में तेजी लाने और इनके समयबद्ध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों एवं

आवश्यक स्टाफ की भर्ती तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आशा वर्करों को स्वास्थ्य किट और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को आवश्यक उपकरण प्रदान कर प्राथमिक हेल्थकेयर नेटवर्क को सशक्त किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर देखभाल सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध हो सकेंगी। डॉ. बलबीर सिंह ने घोषणा की कि पंजाब छाती के कैंसर और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों की शीघ्र पहचान और इसके प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक के उपयोग में अग्रणी है। बाल स्वास्थ्य सुरक्षा पहल के तहत, सभी 250 आरबीएसके टीमों को एआई ऑटो रिफ्रेक्टर उपकरणों से लैस किया जाएगा ताकि स्कूली बच्चों में दृष्टि/रिफलेक्टिव दोषों की समय पर पहचान की जा सके। इस कार्यक्रम के तहत प्रभावित बच्चों को चश्मे भी उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे उनकी दृष्टि और भविष्य सुरक्षित रहेगा। राज्य सरकार द्वारा वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे सक्रिय और व्यापक उपायों, जिनके परिणामस्वरूप इन बीमारियों के विरूद्ध लड़ाई के शानदार नजीजे प्राप्त हुये है, पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने ''हर शुक्रवार डेंगू ते वार'' अभियान की शानदार सफलता का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2023 की तुलना में डेंगू के मामलों में 80 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की गई है।

उन्होंने सिविल सर्जनों को संभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में डेंगू रोधी गतिविधियों को और तेज करने के निर्देश दि ताकि यह सकारात्मक रुझान जारी रहे। पने कर्तव्य में उत्कृष्टता और समर्पण को प्रोत्साहित करने के लिए, स्वास्थ्य मंत्री ने हाल ही में आई बाढ़ के दौरान डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के साहसिक प्रयासों की सराहना की और परिश्रमी कर्मचारियों को वार्षिक रूप से सम्मानित करने एवं मान्यता देने के लिए नई नीति शुरू करने का वादा किया। मंत्री ने सिविल सर्जन डॉ. संगीता जैन, डॉ. अर्शदीप कौर, डॉ. मनहर कौर, डॉ. वसुधा, डॉ. धर्मवीर अहीर और भवंदीप कौर को विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित भी किया। सिविल सर्जनों को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, “हमारे नागरिकों का स्वास्थ्य और कल्याण पंजाब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित और सख्त निगरानी करने, हमारी सभी सुविधाओं में आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने और सबसे महत्वपूर्ण - अपने डॉक्टरों को हर मरीज की सेवा मुस्कुराहट, सहानुभूति और करुणा के साथ करने का निर्देश देता हूँ। क्लिनिकल उत्कृष्टता और मानवता के प्रति संवेदना - यही हमारे मिशन का आधार है।'' उन्होंने कहा कि प्रधान सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल, विशेष सचिव सह एमडी एनएचएम घनश्याम थोरी, एमडी पीएचएससी अमित तलवार, निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. हितिंदर कौर, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (परिवार कल्याण) डॉ. अदिति सलारिया, निदेशक (ईएसआई) डॉ. अनिल कुमार गोयल, उप निदेशक, सहायक निदेशक एवं अन्य स्वास्थ्य अधिकारी मरीज कल्याण से संबंधित सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने और राज्यभर में मंत्री के दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप प्रदान करेंगे।

महिला सशक्तीकरण के प्रयास सदैव जारी रहेंगे : आभा बंसल

प्रदीप सिंह हैप्पी, समर न्यूज। मोहाली

मोहाली की सामाजिक कार्यकर्ता और अमे फाउंडेशन के संस्थापक आभा बंसल ने हमेशा महिलाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को अपने जीवन का मिशन बनाया है। उनका मानना है कि जब तक महिलाओं को सही माहौल और अवसर नहीं मिलेंगे, समाज की प्रगति अधूरी रहेगी।

समर एक्सप्रेस से एक विशेष बातचीत के दौरान, आभा बंसल ने महिला सशक्तिकरण पहल, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई, राजनीति में महिलाओं की भूमिका और शिक्षा क्षेत्र में अपने योगदान पर खुलकर अपने विचार साझा किए। अब महिलाएं अपनी किसी भी समस्या के समाधान के लिए फाउंडेशन के सेक्टर-70 स्थित मुख्यालय में बिना किसी देरी और झिझक के आवेदन कर सकेंगी।

इस बातचीत के चुनिंदा अंश नीचे दिए गए हैं -

» कहा, अब महिलाएं बिना किसी देरी और झिझक के अपनी समस्याओं के लिए अपील कर सकेंगी...

समर एक्सप्रेस की अमे फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष से विशेष भेंट वार्ता

महिला सशक्तिकरण के लिए आपके फाउंडेशन द्वारा की जा रही प्रमुख पहल क्या हैं?

आभा बंसल ने बताया कि फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहेगा और इसके लिए विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं और तत्कालीन सरकारों के सहयोग से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु एक विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-70 में 200-250 महिलाओं के एक समारोह के लिए दो बड़े हॉल और कार्यालय तैयार किए जा रहे हैं और फाउंडेशन के मुख्यालय का औपचारिक उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा।

आपने कहा कि समाज में महिलाओं को आज भी पिछड़ा रखा जाता है - इस बारे में आपकी क्या राय है?

हाँ, सामाजिक रूप से आज भी कई महिलाओं का शोषण होता है। खासकर राजनीति के क्षेत्र में, महिलाओं को हमेशा से पिछड़ा रखा गया है, लेकिन अब वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिलाओं को राजनीति के क्षेत्र में आगे आकर अन्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का अवसर मिल रहा है। आभा बंसल ने कहा कि यद्यपि आज महिलाएं समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं, परन्तु राजनीति के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए महिलाओं को हमेशा सही माहौल नहीं मिल पाता है, परन्तु आज के वर्तमान राजनीतिक माहौल से यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि आने वाले समय में महिलाएं राजनीति के क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में आगे आएंगी, उन्होंने कहा कि आज देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के रूप में एक महिला आसीन है और यदि स्थानीय स्तर की बात करें तो मोहाली के डिप्टी कमिश्नर सहित कई अन्य पदों पर महिलाएं आसीन हैं।

आपने अक्सर भ्रष्टाचार को महिलाओं की समस्याओं के समाधान में सबसे बड़ी बाधा बताया है। क्या आप इस बारे में कुछ और कहना चाहेंगी?

आभा बंसल ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं का समय पर समाधान न होने का एक सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार है क्योंकि आज भी देश में भ्रष्टाचार व्याप्त है और जब तक सरकारें ऊपर से भ्रष्टाचार के इस अभिशाप का समाधान नहीं करेंगी और निचले स्तर तक एक सांकेतिक संदेश नहीं देंगी, तब तक निचले स्तर के अधिकारी और राजनीति में शामिल लोग भ्रष्टाचार करना बंद नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए बड़े मगरमच्छों को पकड़कर कड़ी सज़ा का इंतज़ाम किया जाना चाहिए ताकि निचले स्तर तक ऐसा संदेश जाए, पैसे का लेन-देन करने वाले को हमेशा इससे डरना चाहिए और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

आप अक्सर कहती हैं कि महिलाओं को आज भी समाज में अपनी बात कहने का मौका नहीं मिलता। इस स्थिति को बदलने के लिए आप क्या कदम उठा रही हैं?

फ़ाउंडेशन के संस्थापक आभा बंसल ने दोहराया कि समाज में महिलाओं पर आज भी अत्याचार होता है और उन्हें अपनी बात कहने के लिए सही माहौल नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन महिलाओं के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि महिलाओं की समस्याओं और परेशानियों के स्थायी समाधान के लिए वे स्वयं पुलिस थानों और तत्कालीन सरकारों से संपर्क करेंगी।

क्या राजनीति में आने का आपका कोई विचार है?

आभा बंसल ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि उन्हें किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई ज़िम्मेदारी दी जाती है, तो वे इसके लिए सदैव तैयार हैं क्योंकि सरकारी स्तर पर जाकर महिलाओं की समस्याओं और कठिनाइयों का स्थायी समाधान किया जा सकता है और सरकार द्वारा समय-समय पर शुरू या क्रियान्वित की जा रही योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुँचाया जा सकता है, जिससे आज की महिलाएँ सही मायनों में आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

क्या राजनीति में आने के संबंध में कोई बैठक हुई?

आभा बंसल ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से महिलाओं के कई प्रतिनिधिमंडल उनसे मिल चुके हैं और उनसे राजनीति के क्षेत्र में काम करने की माँग कर चुके हैं। समर एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान आभा बंसल ने कहा कि वे महिलाओं के प्रतिनिधिमंडल की भावनाओं की कद्र करती हैं और इसके लिए फाउंडेशन की महिला सदस्यों और समर्थकों से बातचीत की जा रही है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन की लगभग 2500 महिलाओं की एक बड़ी बैठक जल्द ही सेक्टर 70 स्थित फाउंडेशन के मुख्यालय में आयोजित की जा रही है ताकि इस चर्चा को आगे बढ़ाया जा सके और भविष्य के लिए कोई सार्थक निर्णय लिया जा सके।

शिक्षा के क्षेत्र में आपके फाउंडेशन द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को शिक्षित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। आभा बंसल ने दा समर एक्सप्रेस से बातचीत में बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने पहली से 12वीं तक की शिक्षा के लिए पाँच लड़कियों का चयन किया है और यह प्रक्रिया आने वाले समय में भी जारी रहेगी और फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को शिक्षित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि एक रचनात्मक समाज के निर्माण में महिलाओं द्वारा दिए जा रहे बहुमूल्य योगदान को और अधिक सकारात्मक और उपयोगी बनाया जा सके।

आपने ज्योति सरूप कन्या आश्रम खरड़ का भी दौरा किया था। उस अनुभव के बारे में कुछ बताएँ।

शिक्षा के अलावा, फाउंडेशन महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, कंप्यूटर और अन्य कुशल व्यवसायों में निपुण बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का भी काम करेगा। आभा बंसल ने बताया कि कुछ समय पहले वह ज्योति सरूप कन्या आश्रम, खरड़, मोहाली गई थीं और वहाँ रहने वाली लड़कियों से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। इस आश्रम द्वारा असहाय लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें शिक्षित करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के कारण, वह ज्योति सरूप कन्या आश्रम, खरड़ की संचालिका को तहे दिल से सलाम करती हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लंबे समय से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अब वह इस संस्था से स्थायी रूप से जुड़ गई हैं। इस आश्रम में आकर जो आत्मिक संतुष्टि और शांति मिलती है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

पंजाब के मंत्री सौंध नहीं आए, बाढ़ का पूरा आंकलन अभी तक नहीं भेजा : कृषि मंत्री शिवराज चौहान

समर ब्यूरो । लुधियाना

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार (14 अक्टूबर) को पंजाब दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने पंजाब सरकार पर नाराजगी जताई। शिवराज ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का ब्यौरा लेने के लिए ग्रामीण विकास मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंध को बुलाया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए।

शिवराज ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र भी भेजा। उन्होंने कहा कि अगर पंजाब में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू होती, तो किसानों को और लाभ मिल सकता था। साथ ही उन्होंने पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत खुड्डियां से कहा कि वह इस योजना को जल्द लागू कराएं।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने अभी तक बाढ़ का पूरा ब्यौरा केंद्र को नहीं भेजा, जबकि केंद्र सरकार की ओर से मुआवजा देने के लिए अनुमानित नुकसान के अनुसार फंड जारी किया जा रहा है। उन्होंने मंच से कहा कि सरकार किसी एक पार्टी की नहीं होती, यह जनता की होती है, चाहे वह केंद्र की हो या राज्य की। दौरे के दौरान शिवराज ने आईएसीआर के मक्का संस्थान की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया। उनके साथ केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू भी मौजूद थे।

शिवराज ने सीएम मान को जवाब देते हुए कहा कि वह यहाँ टूरिज्म करने नहीं आए थे, बल्कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसलों और नुकसान का जायजा लेने आए थे। उन्होंने पंजाब के खेतों का दौरा किया और नुकसान का निरीक्षण किया। इसके बावजूद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि केंद्रीय मंत्री "फ्लड टूरिज्म" पर आए थे, जिसे शिवराज ने खारिज किया।

शिवराज ने बताया कि उनके दौरे के बाद प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों और अफसरों की टीमों को पंजाब भेजा और नुकसान के अनुसार केंद्र सरकार ने पीड़ितों के लिए कदम उठाए। उन्होंने मंच से सार्वजनिक तौर पर कहा कि पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत खुड्डियां को फंड की मंजूरी के लिए बुलाया गया था, टूरिज्म के लिए नहीं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार बाढ़ के नुकसान का पूरा आकलन देने में लेट लतीफी कर रही है। राज्य सरकार ने केवल अनुमानित नुकसान केंद्र को बताया है, जबकि सर्वे रिपोर्ट और एक-एक पीड़ित की रिपोर्ट तैयार करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। केंद्र सरकार वही फंड जारी कर रही है जो रिपोर्ट के आधार पर भेजा जा रहा है।

शिवराज ने आगे कहा कि सोमवार रात को राज्य सरकार ने एक रिपोर्ट भेजी, जिसमें 36,703 घरों के टूटने का ब्यौरा था। इसके बाद केंद्र सरकार ने तुरंत रात में ही मुआवजे के लिए फंड मंजूर कर दिया है।

शिव सेना हिंदुस्तान ने एडीजीपी वाई पूरन कुमार के परिवार के साथ न्याय की मांग को लेकर जताया समर्थन

समर न्यूज | पटियाला

शिव सेना हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय प्रमुख श्री पवन गुप्ता का सांत्वना संदेश लेकर हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरन कुमार की धर्म पत्नी अमनीत पी कुमार के निवास स्थान चंडीगढ़ पर शिव सेना हिन्दुस्तान के नेशनल मीडिया एडवाइजर परवीन कोमल पहुंचे।उनके साथ शिव सेना हिंदुस्तान महिला सेना के नॉर्थ इंडिया अध्यक्ष श्री मति स्वराज घुम्मण, उत्तरी हिंदुस्तान महिला सेना उपाध्यक्ष श्रीमती कांता बंसल, देव प्रिय,जिला उप अध्यक्ष पटियाला राकेश कुमार भी थे।

मीडिया को मुखातिब होते हुए शिव सेना हिंदुस्तान के राष्ट्रीय मीडिया सलाहकार श्री परवीन कोमल तथा श्रीमती स्वराज घुम्मन ने कहा कि श्री पवन गुप्ता जी के नेतृत्व में शिव सेना हिंदुस्तान की तरफ से दिवंगत आत्मा को न्याय दिलाने के लिए हर सहयोग दिया जाएगा।

श्री कोमल ने कहा कि किसी को भी जात-पात के नाम पर प्रताड़ित करना बहुत दुखद है. एक आईपीएस अधिकारी को प्रताड़ित किया गया, आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। यहां तक कि उनकी मृतक देह का पोस्टमार्टम तक नहीं हो सका, यह बहुत ग़लत है।

इस देश में लोग आपस में मिलकर रहते है लेकिन कुछ लोग इस भाईचारे को तोड़ने का काम करते है. आरोपी भले ही कितने मर्जी बड़े पद पर क्यों न बैठे हो, शिव सेना हिंदुस्तान यह मांग करती है कि इस परिवार को न्याय दिलाने के लिए इस प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंप दी जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। उन्होंने कहा कि शिवसेना हिंदुस्तान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गुप्ता के नेतृत्व में शिवसेना इस परिवार को न्याय दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

इस अवसर पर शिव सेना हिंदुस्तान महिला सेना के नॉर्थ इंडिया अध्यक्ष श्रीमती स्वराज घुम्मण तथा श्रीमती कांता बंसल उत्तरी भारत उपाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से कहा कि सुसाइड नोट में लिखे गए 14 आदमियों के ऊपर FIR अब तक क्यों नहीं काटी गई।

जातिगत शब्द इस्तेमाल करना क्या किसी राजनीतिक या ब्यूरोक्रिटिक साजिश के तहत किया गया? श्रीमती स्वराज घुम्मन जो भूतपूर्व डीजीपी स्वर्गीय श्री ललित भाटिया जी की धर्मपत्नी भी है ने कहा कि उनका तजुर्बा है कि कई बार राजनैतिक दबाव के कारण कई बार पुलिस अधिकारी सुसाइड करने को मजबूर हो जाते है जैसा कि उनके पति भूतपूर्व डीजीपी पंजाब ललित भाटिया जी को भी राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि शिवसेना हिंदुस्तान की महिला शाखा अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गुप्ता जी के नेतृत्व में हमेशा परिवार के साथ खड़ी है।

बरनाला-चंडीगढ़ हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

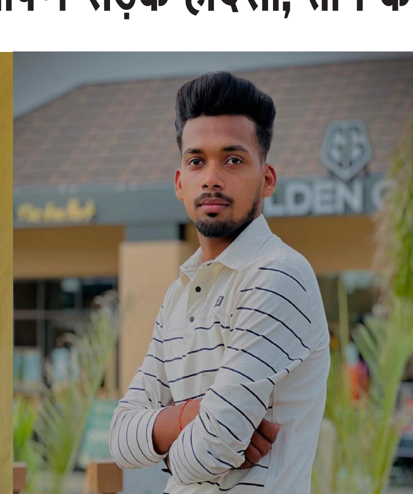

समर ब्यूरो । बरनाला

बरनाला-चंडीगढ़ हाईवे के धनौला रोड पर सोमवार को दो गाड़ियों में भयंकर टक्कर हो गई। हादसे में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, बरनाला से चंडीगढ़ जा रही एक गाड़ी में पति-पत्नी और ड्राइवर सवार थे।

दूसरी गाड़ी, एक ऑलटो, धनौला की ओर से बरनाला की तरफ आ रही थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार ऑलटो कार अपने नियंत्रण से बाहर होकर डिवाइडर से टकराई और कई पलटियां खा गई।

ऑलटो कार में पांच युवा सवार थे।

पुलिस ने पुष्टि की है कि तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बरनाला के प्राइवेट बीएमसी हॉस्पिटल में गंभीर हालत में भर्ती हैं। दूसरी गाड़ी में सवार पति-पत्नी को धनौला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने बताया कि हादसे का मुख्य कारण ऑलटो कार का टायर फट जाना बताया जा रहा है।

ड्राइवर के मुताबिक, ऑलटो कार बहुत तेज़ गति से डिवाइडर को चीरते हुए उनकी गाड़ी से टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी गाड़ी पूरी तरह से तहस-नहस हो गई। पुलिस ने आगे जांच शुरू कर दी है और हादसे के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

जालंधर में सरकारी बस चालकों का प्रदर्शन, 'किलोमीटर बस योजना' के विरोध में बस स्टैंड बंद

समर न्यूज | जालंधर

जालंधर में सरकारी बस चालकों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राज्य भर में 'किलोमीटर बस योजना' के विरोध में आज दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सभी बस स्टैंड बंद रहने का ऐलान किया गया। इस दौरान बस स्टैंड पर केवल प्राइवेट बसें ही दिखाई दीं, जबकि सरकारी बसें बंद रही। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे रंजीत सिंह ने कहा कि प्रशासन एक बार फिर इस योजना के तहत नए टेंडर खोल रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना का सीधा असर पंजाब के हजारों निजी बस संचालकों, ड्राइवरों और कंडक्टरों पर पड़ेगा और आम जनता भी इससे प्रभावित होगी।

रंजीत सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि सभी संबंधित पक्षों से बात करके इस योजना का कोई समाधान निकाला जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि योजना लागू होने से परिवहन व्यवस्था प्रभावित होगी और छोटे बस मालिकों तथा कर्मचारियों का रोजगार खतरे में पड़ जाएगा। उनका कहना

है कि यह योजना निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाती है, जबकि स्थानीय संचालकों और कर्मचारियों को नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि 'किलोमीटर बस योजना' के तहत सरकार निजी कंपनियों से बसें किराए पर लेकर चलाती है।

सरकार इन कंपनियों को प्रति किलोमीटर निश्चित राशि का भुगतान करती है, जबकि ड्राइवर, ईंधन और मरम्मत की पूरी जिम्मेदारी निजी कंपनियों की होती है।

करिकुलर एक्टिविटीज के माध्यम से बच्चों का होता है सर्वांगीण विकास : जिला उपायुक्त

» डीसी ने किया 4 दिवसीय जिला स्तरीय बाल दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ

सुन्दर कुंडू/समर न्यूज | पलवल

पलवल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम के इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को जिला स्तरीय बाल दिवस समारोह-2025 का आयोजन किया गया। जिला बाल कल्याण परिषद के चेयरमैन एवं उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने शुभारंभ किया। समारोह के दौरान विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि चार दिवसीय बाल दिवस समारोह में बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करेगें। जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में जो बच्चे अच्छा प्रदर्शन करेंगे उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को 14 नवम्बर को खेल मंत्री गौरव गौतम द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि जिला बाल कल्याण परिषद पलवल द्वारा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए करिकुलर एक्टिविटीज कराई जा रही है। करिकुलर एक्टिविटीज के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने कहा कि पलवल जिला के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जिला के प्रतिभाशाली बच्चों ने हरियाणा बाल कल्याण परिषद की प्रतियोगिता में भाग लेकर राज्य स्तर पर परचम लहराया है जो पलवल जिला के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी पलवल जिला के बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जिला का नाम रोशन करेगें। उपायुक्त हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि सीएसआर स्कीम के तहत बाल भवन की बिल्डिंग में रिपेयर का कार्य किया गया है। पलवल जिले में बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए मिनी बाल भवन बनाया जाएगा। मेवात डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा हथीन में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 35 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई है। जिसके माध्यम से क्षेत्र के बच्चों को नीट,आईआईटी की कोचिंग प्रदान की जाएगी। वहीं जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा डागर ने बताया कि चार दिवसीय बाल दिवस समारोह में प्रथम वर्ग में पांचवीं कक्षा तक, द्वितीय वर्ग में छठी से आठवीं कक्षा तक, तृतीय वर्ग में नौवीं से दसवीं कक्षा तक और चतुर्थ वर्ग में ग्यारहवीं से बारहवीं कक्षा तक की कुल चार वर्गों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। इन प्रतियोगिताओं में समूह नृत्य, सोलो डांस, क्ले मॉडलिंग, देशभक्ति समूह गीत, पोस्टर मेकिंग, मौके पर ही स्केचिंग और समूह नृत्य, घोषणा संदर्भ, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एकांकी नाटक,रंगमंच, सर्वश्रेष्ठ ड्रामेबाज, दीया,मोमबत्ती सजावट समूह नृत्य, थाली पूजन,कलश सजावट, मजेदार खेल लडके और लड़कियां, एकल नृत्य, एकल शास्त्रीय नृत्य, फैंसी ड्रेस, कार्ड बनाना, एकल गीत, समूह नृत्य, रंगोली, एकल शास्त्रीय नृत्य, हस्तलिपि अंग्रेजी और हिंदी सहित आदि प्रतियोगिता शामिल है। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। बाल दिवस समारोह जैसे कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास की भावना का भी विकास होता है।

सोहना में अवैध कॉलोनियों का मामला अब मुख्यमंत्री तक पहुंचा

समर न्यूज | सोहना

| सोहना के वार्ड नंबर 13 में पर्यटन विभाग की भूमि पर बसे अवैध कॉलोनियों के निवासियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अपने आशियानों को बचाने की गुहार लगाई है। स्थानीय लोगों ने लिखित ज्ञापन सौंपकर कहा कि वे दशकों से अपने घरों में रह रहे हैं और अगर तोड़फोड़ हुई तो सैकड़ों परिवार बेघर हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने मामले पर गंभीर विचार करने का आश्वासन दिया। वार्ड नंबर 13 की कुल आबादी लगभग चार हजार है, जिसमें पीर कॉलोनी और पहाड़ कॉलोनी भी शामिल हैं। हाल ही में पर्यटन विभाग ने इन कॉलोनियों की भूमि पर अपना दावा करते हुए तोड़फोड़ का अल्टीमेटम जारी किया, जिससे स्थानीय लोग चिंतित हैं।

दोनों कॉलोनियों में लगभग 60 वर्षों से परिवार रह रहे हैं और उन्हें बिजली, पानी, सड़क, सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान पूर्व पार्षद अनिल कुमार, जुम्मा, विनोद, मकसूद, शाहिद खान और कर्मवीर मौजूद रहे।

पहाड़ कॉलोनी और पीर कॉलोनी में कुल लगभग 250 आशियाने हैं, जो साढ़े नौ एकड़ भूमि पर बने हैं। इस भूमि को लेकर पिछले 15 वर्षों से प्रशासनिक और कानूनी विवाद चला आ रहा था। हाल ही में पर्यटन विभाग ने अदालत में जीत हासिल की और भूमि पर कब्जा करने की कार्रवाई शुरू कर दी थी। एक महीने पहले विभाग ने अवैध आशियानों को तोड़ने का अल्टीमेटम भी जारी किया था।

तीन तलाक के बाद पति ने पत्नी का फर्जी निधन दर्ज कराया

समर न्यूज | यमुनानगर

जिंदा पत्नी का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के आरोप में पुलिस ने पति को नामजद किया है। बूड़िया निवासी समीना ने बताया कि उसके पति लियाकत ने 2016 में उसे तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया और दूसरी शादी कर ली। आरोप है कि लियाकत ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर उसका फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाया ताकि उसका नाम सरकारी दस्तावेजों से हटा दिया जाए और वह किसी सरकारी लाभ का दावा न कर सके।

समीना ने बताया कि उसके पहचान पत्र दयालगढ़ में बने हुए हैं। लगभग तीन साल पहले लियाकत और उसके पिता यूसुफ ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिला के सरसावां स्वास्थ्य केंद्र से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया। इसमें मृत्यु का स्थान भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सरसावां दिखाया गया।

महिला का आरोप है कि उसके ससुराल वालों ने यह कदम इसलिए उठाया ताकि वह भविष्य में किसी भी प्रकार की संपत्ति में हिस्सा न मांग सके। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सरकार का नया आदेश : पुराने जन्म प्रमाण पत्रों में जुड़ सकेगा नाम

समर न्यूज | हिसार

अब माता-पिता अपने बच्चे का नाम जन्म प्रमाण पत्र में 15 वर्ष बाद भी दर्ज करवा सकेंगे। नगर निगम हिसार की मांग पर मुख्य रजिस्ट्रार (डीजी हेल्थ) ने इस संबंध में आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए हैं।

ऑफलाइन प्रक्रिया से कर सकेंगे आवेदन

जारी आदेशों के मुताबिक, यदि बच्चे का नाम जन्म प्रमाण पत्र में अंकित नहीं है, तो अभिभावक अब 15 साल बाद भी नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए अभिभावक को संबंधित रजिस्ट्रार कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन जमा करवाना होगा। आवेदन के साथ जरूरी दस्तावेज और 75 रुपये की सरकारी फीस भी जमा करनी होगी।

एक माह में अपडेट होगा नाम

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक महीने के भीतर बच्चे का नाम जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज कर दिया जाएगा। यह निर्णय उन अभिभावकों के लिए राहत भरा साबित होगा, जिनके बच्चों के नाम अब तक जन्म प्रमाण पत्रों में दर्ज नहीं हो पाए थे।

मनीषा मौत रहस्य गहराया, पिता बोले दिवाली तक चाहिए सच

समर न्यूज | भिवानी

हरियाणा के चर्चित मनीषा मौत मामले में CBI जांच की रफ्तार सुस्त पड़ती नजर आ रही है। जांच एजेंसी को केस सौंपे जाने के बाद भी अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। मनीषा के पिता संजय ने कहा कि वे दिवाली तक सच सामने आने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से उन्हें CBI की ओर से कोई नई जानकारी नहीं मिली है।

40 दिन से जारी जांच, कई गवाहों से पूछताछ

सूत्रों के मुताबिक, CBI की टीम पिछले 40 दिनों से लगातार जांच में जुटी हुई है। अब तक एजेंसी ने प्ले स्कूल, कॉलेज प्रबंधन और चश्मदीद गवाहों से कई दौर की पूछताछ की है। मनीषा के परिजनों से भी पांच बार बयान लिए जा चुके हैं। CBI की छह सदस्यीय टीम भिवानी के रेस्ट हाउस में बंद कमरे में तथ्यों की पड़ताल में जुटी रही। चर्चा थी कि दिल्ली से एक वरिष्ठ IPS अधिकारी जांच की समीक्षा के लिए आने वाले हैं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

हत्या से आत्महत्या की थ्योरी तक पहुंचा मामला

गौरतलब है कि 11 अगस्त को लापता हुई मनीषा का शव

13 अगस्त को सिंघानी नहर के पास मिला था। भिवानी पुलिस द्वारा कराए गए पहले पोस्टमार्टम में मनीषा की मौत को तेजधार हथियार से की गई हत्या बताया गया था। लेकिन रोहतक पीजीआई में हुए दूसरे पोस्टमार्टम में आत्महत्या की थ्योरी सामने आई। इस विरोधाभास ने मामले को और उलझा दिया, जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ गया और CBI जांच की मांग तेज हो गई।

CBI की जांच पर उठ रहे सवाल

अब जबकि मामला CBI के पास तीन सितंबर से है, लोगों में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या जांच एजेंसी दिवाली से पहले सच उजागर कर पाएगी?

परिजनों का कहना है कि वे सिर्फ न्याय की उम्मीद पर टिके हुए हैं और चाहते हैं कि CBI जल्द से जल्द निष्कर्ष पर पहुंचे, ताकि उनकी बेटी को न्याय मिल सके।

कोरबा में सपना चौधरी कार्यक्रम में हिंसा, पुलिस कार्रवाई शुरू

समर न्यूज | कोरबा, छत्तीसगढ़

प्रसिद्ध डांसर सपना चौधरी के कार्यक्रम के दौरान कोरबा में हंगामा देखने को मिला, जब चार युवकों ने allegedly उनके कमरे का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की और उनकी टीम के साथ मारपीट की। इस दौरान रिसॉर्ट के प्रबंधन के साथ भी झड़प हुई।

यह घटना राताखार बाइपास रोड स्थित जश्न रिसॉर्ट में रविवार रात हुई। कार्यक्रम लगभग ढाई घंटे का होना था, लेकिन अव्यवस्था के कारण केवल एक घंटे में ही समाप्त हो गया। दर्शकों ने मंच पर रुपये फेंके और उस पर चढ़ने का प्रयास किया। सपना ने बार-बार शांत रहने की अपील की, लेकिन व्यवधान के कारण उन्होंने केवल तीन-चार गाने प्रस्तुत किए और नाराज होकर मंच छोड़ दिया।

इसके बाद आयोजन समिति के सदस्यों ने सपना के कमरे में प्रवेश किया। रिसॉर्ट के प्रबंधक करनदीप ने समझाने की कोशिश की, लेकिन युवकों ने उनके साथ भी विवाद किया। पुलिस के आने पर मामला शांत हुआ। सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर अपराध दर्ज कर लिया गया है। करनदीप ने हंगामे में 7 लाख रुपये के नुकसान की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम रद्द, देर रात हुआ बड़ा बदलाव

समर न्यूज | नूंह

मंगलवार को नूंह की अनाज मंडी में होने वाला वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह अचानक स्थगित कर दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बतौर मुख्य अतिथि शामिल होना था। देर रात सरकार की ओर से जारी आदेशों में कार्यक्रम रद्द किए जाने की जानकारी दी गई। जिले के उपायुक्त अखिल पिलानी ने कार्यक्रम स्थगित होने की पुष्टि की है। कार्यक्रम में करीब 50 करोड़ रुपये की 13 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास प्रस्तावित था। प्रशासन ने इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं। अनाज मंडी में टीन शेड के नीचे मंच बनाया गया था और लगभग तीन हजार से अधिक कुर्सियां लगाई गई थीं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या से जुड़े विवाद के चलते यह निर्णय लिया गया है। हालांकि उपायुक्त अखिल पिलानी ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम स्थगित होने के सटीक कारणों की जानकारी नहीं है, लेकिन संभावना है कि इसके लिए जल्द ही नई तारीख तय की जाएगी।

पानीपत खेत में युवक पर फायरिंग, ग्रामीण दहशत में

समर न्यूज | पानीपत

सेक्टर 29 थाना क्षेत्र के सिवाह गांव में देर रात जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। स्थानीय युवक पर कार सवार तीन-चार बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जिसमें गोली युवक के दाहिने पैर के घुटने के नीचे लग गई। गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 11 बजे हुई। युवक खेत की रखवाली कर रहा था, तभी बदमाशों ने कार से उतरकर सीधे उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने 4-5 राउंड गोली चलाई, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। चीख-पुकार सुनकर लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने जमीन विवाद में कुछ लोगों के खिलाफ साजिश का आरोप लगाया है और न्याय की मांग की है।

RTE उल्लंघन पर फरीदाबाद के दो स्कूलों पर जुर्माना

समर न्यूज | फरीदाबाद

जिले की स्थायी लोक अदालत ने सेक्टर-19 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS) और सेक्टर-31 के मॉडल स्कूल पर बड़ी कार्रवाई की है। अदालत ने RTE अधिनियम के तहत पात्र छात्रों को दाखिला न देने और अभिभावकों को परेशान करने के मामले में दोनों स्कूलों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही अदालत ने आदेश दिया है कि दोनों स्कूल 7 दिनों के भीतर संबंधित छात्रों को प्रवेश दें।

यह मामला हरियाणा पेरेंट्स एकता मंच की लीगल सेल द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि अभिभावकों ने पहले जिला शिक्षा अधिकारी और डीसी कार्यालय में शिकायत की थी, लेकिन समाधान न मिलने पर मंच ने 8 सितंबर को अदालत में याचिका दाखिल की।

अदालत में सुनवाई के दौरान मंच के वरिष्ठ लीगल एडवाइजर एडवोकेट बी.एस. विरदी ने तर्क दिया कि स्कूलों ने जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा भेजी गई सूची के बावजूद पात्र बच्चों को दाखिला नहीं दिया।

अदालत ने 13 अक्टूबर को सुनवाई पूरी करते हुए छात्रों के पक्ष में फैसला सुनाया। वहीं, सेंट पीटर स्कूल और मॉडर्न विद्या निकेतन स्कूल से जुड़े मामले अभी विचाराधीन हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद की चर्चाओं पर बोले रोहित ठाकुर - 'जो जिम्मेदारी मिले, निभाऊंगा पूरी निष्ठा से'

मोहित प्रेम शर्मा । समर न्यूज़ । शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर इन दिनों कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद की चर्चाओं में हैं। द समर न्यूज़ ने उनसे शिक्षा, राजनीति और प्रदेश की मौजूदा परिस्थितियों को लेकर खास बातचीत के चुनिंदे अंश।

राजनीति में आपकी शुरुआत कैसे हुई?

रोहित ठाकुरः कांग्रेस पार्टी में मैं एक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय था, लेकिन मेरे पास कोई बड़ा पद नहीं था। मेरे पिता और पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर का निधन हो गया था। उनके निधन के कुछ ही महीने बाद चुनाव थे। उस समय पार्टी और कार्यकर्ताओं ने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे 2003 में उम्मीदवार बनाया गया। कांग्रेस ने मुझे एक मजबूत प्रत्याशी के रूप में उतारा और मैंने जीत हासिल की। उस समय मैं मात्र 28 वर्ष की उम्र में विधायक बना - पार्टी का सबसे युवा चेहरा था।

मंत्री बनने के बाद क्या चुनौतियाँ रहती हैं?

रोहित ठाकुरः निश्चित रूप से चुनौतियाँ रहती हैं। मंत्री पद के साथ जिम्मेदारियाँ भी बढ़ जाती हैं। शिक्षा विभाग को हमेशा प्रेशर और टेंशन वाला विभाग माना जाता है। हालांकि मैं शैक्षणिक पृष्ठभूमि से नहीं था, लेकिन मेरा मानना है कि इच्छा शक्ति होनी चाहिए और व्यक्ति को अपने कार्य में 100% योगदान देना चाहिए।

क्या आप शिक्षा मंत्री बनना चाहते थे?

रोहित ठाकुरः जब कैबिनेट का गठन हो रहा था, तब किसी ने भी शिक्षा विभाग की मांग नहीं की थी — मैं भी उनमें से एक था। लेकिन यह निर्णय हाईकमान का होता है कि किसे कौन-सा विभाग दिया जाएगा। जब मुझे यह जिम्मेदारी मिली, तो मैंने इसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया।

शिक्षा विभाग की मौजूदा स्थिति को आप कैसे देखते हैं?

रोहित ठाकुरः हाल ही में सिरमौर में चेक साइन संबंधी मामले में गलतियाँ सामने आई थीं। इस पर विभाग ने कार्रवाई की है। निश्चित रूप से कमियाँ हैं, लेकिन उन्हें दूर करने का कार्य जारी है। जिम्मेदारियाँ तय होना जरूरी है ताकि ऐसी त्रुटियाँ दोबारा न हों।

पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह कहते थे कि हर बच्चे के लिए स्कूल खोलना चाहिए। लेकिन अब स्कूल बंद किए जा रहे हैं, क्यों?

रोहित ठाकुर : उस समय वीरभद्र सिंह जी का स्टेटमेंट सही था क्योंकि तब 95% बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे। लेकिन आज स्थिति अलग है।2003 में साढ़े 9 लाख बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे, जो अब घटकर लगभग 4 लाख रह गए हैं। सरकार ने कुल 1300 स्कूल बंद किए हैं, जिनमें से 650 से अधिक स्कूलों में एक भी छात्र नहीं था। हमारा फोकस अब गुणवत्ता शिक्षा पर है — जो स्कूल खुले हैं, उन्हें मजबूत करना है। हमने साढ़े तीन साल के कार्यकाल में 7000 शिक्षकों की नियुक्ति की है और 3100 नई पोस्टों की फाइल चयन आयोग को भेजी है।

शिक्षा व्यवस्था पर लगातार सवाल उठ रहे हैं, क्या वाकई व्यवस्था मजबूत है?

रोहित ठाकुर : केंद्र सरकार के सर्वेक्षण के अनुसार हिमाचल प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। 2021 में हिमाचल प्रदेश देश में 21वें स्थान पर था।वित्तीय चुनौतियाँ हैं, फिर भी प्रदेश सरकार ने शिक्षा के लिए 10,000 करोड़ रुपये का बजट दिया है। यह हमारे समर्पण का प्रमाण है।

अब आपका नाम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है, क्या आप इसके लिए तैयार हैं?

रोहित ठाकुर : वर्तमान में मेरे पास जो जिम्मेदारी है, वह बहुत बड़ा विभाग है और मैं इससे संतुष्ट हूं। लेकिन अगर हाईकमान मुझ पर विश्वास जताता है, तो मैं इससे पीछे नहीं हटूंगा।यदि मौका मिला तो पूरी मेहनत और निष्ठा से कार्य करूंगा।

क्या आपके पास इस संबंध में कोई ऑफर आया है?

रोहित ठाकुर : यह बात भविष्य के गर्भ में है। राजनीति में होने और बोलने में फर्क होता है। लेकिन जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसके लिए मैं हमेशा तैयार हूं।

अगर आप प्रदेश अध्यक्ष बनते हैं, तो क्या चुनौतियाँ होंगी?

रोहित ठाकुर : चुनौतियाँ हमेशा रहती हैं, लेकिन पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। वर्तमान में प्रतिभा सिंह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हैं। अध्यक्ष पद हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि कांग्रेस बहुत बड़ा संगठन है। हमारा प्रयास रहेगा कि इसे और संगठित और मजबूत बनाया जाए।

भाजपा कांग्रेस की 10 गारंटी योजनाओं पर सवाल उठा रही है?

रोहित ठाकुर : भाजपा हमारा गुणगान नहीं करेगी - विपक्ष का काम सवाल उठाना है।हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा आई, लेकिन केंद्र सरकार से अभी तक पूर्ण वित्तीय सहायता नहीं मिली है।भाजपा ने सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की, फिर भी हम हर गारंटी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आपके मुख्यमंत्री से रिश्ते कैसे हैं?

रोहित ठाकुर : लोकतंत्र में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए।हमारा लक्ष्य जनता से किए वादों को पूरा करना है।

राजनीति के स्तर में अब क्या बदलाव देखते हैं?

रोहित ठाकुर : पहले राजनीति में नीतियां, मूल्य और सिद्धांत हुआ करते थे। आज हर क्षेत्र में इन सिद्धांतों में कमी आई है, जो चिंता का विषय है।

भाजपा का कहना है कि कोटखाई विधानसभा में सेब सीजन के दौरान अव्यवस्था रही और आप नजर नहीं आए?

रोहित ठाकुर : इस वर्ष भारी नुकसान हुआ। मेरी विधानसभा में लगभग 167 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सरकार ने हर संभव व्यवस्था की, तभी बागवानों का सेब मंडियों तक पहुंचा। भाजपा का काम आरोप लगाना है, लेकिन हमें उनसे प्रमाणपत्र लेने की जरूरत नहीं।

रोड कनेक्टिविटी को लेकर क्या प्रगति हुई है?

रोहित ठाकुर : मैंने अपने कार्यकाल के दौरान 80% बजट सड़कों पर लगाया। इसका परिणाम है कि अब 95% सेब का सफल विपणन हुआ है और वैकल्पिक मार्ग भी विकसित किए गए हैं।

ऐसा कौन-सा काम है जिसे आप अभी अपनी विधानसभा में पूरा नहीं कर पाए?

रोहित ठाकुर : मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क के क्षेत्र में काफी कार्य किए हैं। फिर भी कुछ मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। मेरा प्रयास रहेगा कि हर नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचे।

ब्रिटिश पार्लियामेंट द्वारा झूठे सर्टिफाइड होने वाले देश के पहले सीएम बने सुखविंदर सिंह सुक्खू : जयराम ठाकुर

» सुक्खू सरकार द्वारा हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स को संबोधित करने का दावा झूठा, हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स के ईमेल ने खोली पोल

मोहित प्रेम शर्मा/ समर न्यूज़ | मंडी

मंडी से जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के मुखिया सुखविंदर सिंह सुक्खू ब्रिटिश पार्लियामेंट द्वारा झूठे सर्टिफाइड होने वाले देश के पहले सीएम बने हैं। इसके पहले वह हिमाचल प्रदेश विधानसभा में भी झूठे सर्टिफाइड हो चुके हैं। सदन से लेकर सड़क तक झूठों की लड़ी लगाने वाले सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपनी निजी इंग्लैण्ड यात्रा के दौरान आधिकारिक रूप में यह दावा किया था कि वह हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स को संबोधित करने वाले वह देश के पहले मुख्यमंत्री हैं। जब इस बाबत हमने पड़ताल की तो उनके इस दावे को हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स के अधिकारी संवाद केंद्र द्वारा झूठा बताया गया। उन्होंने साफ़ किया कि हिमाचल के किसी सीएम ने 24 सितंबर को किसी भी हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स को संबोधित नहीं किया था। सबसे हैरानी की बात यह है कि 19 सितंबर के बाद हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स की कोई कार्रवाही ही नहीं हुई थी। ऐसे में मुख्यमंत्री और उनकी मंडली इस इस तरह के झूठे दावे करके क्या हासिल करना चाहती है वह समझ के परे है। इसी तरह से उन्होंने प्रियंका गांधी की भी फीड किया कि उनकी सरकार कोई पीआर नहीं करती जबकि देश में इकलौती सरकार है जो अपने प्रचार के बजाय विपक्षियों के दुष्प्रचार पर भी करोड़ों रुपए हर साल खर्च कर रही है।

जयराम ठाकुर ने पूरी घटना का विवरण देते हुए कहा कि हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी इंग्लैंड की हाउस आफ लॉर्ड को संबोधित करने का दावा किया था। इसके संदर्भ में भी खूब खबरें छपवाई थी। झूठ बोलना, अफवाह फैलाना उनकी आदत है और सरकार चलाने का तरीका भी। इसीलिए वह अपनी इस आदत से बाज नहीं आते हैं। अपनी निजी लंदन यात्रा के दौरान भी उन्होंने खुद को महान और ऐतिहासिक बताने के लिए उन्होंने इस तरीके की हरकत की। 24 सितंबर 2025 को उनके मित्र मंडली और आईपीआर की प्रेस रिलीज संख्या 1102/2025 द्वारा यह बयान आधिकारिक तौर पर जारी किया गया कि अपनी लंदन यात्रा के दौरान उन्होंने इंग्लैंड की "हाउस आफ लॉर्ड्स" को संबोधित किया और वह देश के पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्हें यह उपलब्धि हासिल है। अपनी आधिकारिक और सीएमओ (मुख्यमंत्री कार्यालय) हिमाचल प्रदेश के सोशल मीडिया मैं ऐसे पोस्ट बनाकर और प्रदेश के सभी अखबारों में उन्होंने यह खबर छपवाई की की हाउस ऑफ़ लॉर्ड को संबोधित करने वाले वह पहले मुख्यमंत्री हैं। यह उपलब्धि बहुत बड़ी थी। हमें भी खुशी हुई, इतने छोटे से राज्य के लिए यह बहुत बड़ी बात थी इसीलिए हमने उन्हें निजी तौर बधाई देनी चाही। लेकिन इनकी झूठ की आदत मुझे पता है इसलिए हमने इसकी पड़ताल की।

जयराम ठाकुर ने कहा कि हमने हाउस आफ लॉर्ड के आधिकारिक संवाद केंद्र से हमने इसकी जानकारी मांगी। तो हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स के आधिकारिक सूचना केंद्र (lordspressoffice@parliament.uk) द्वारा हमें बताया गया कि हाउस आफ लॉर्ड में ऐसा कुछ नहीं हुआ है। हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। हमने फिर से उनसे वेरीफाई करवाया कि क्या उन्होंने "हाउस आफ लॉर्ड्स" को संबोधित नहीं किया था जैसे अन्य देश के मुखिया या प्रतिनिधि करते हैं। हाउस ऑफ़ लॉर्ड आधिकारिक सूचना केंद्र द्वारा स्पष्ट मना किया गया कि नहीं उन्होंने किसी हाउस आफ लॉर्ड्स को संबोधित नहीं किया था। थोड़ी सी और पड़ताल करने पर पता चला कि मुख्यमंत्री और उनकी करोड़ों रुपए से पल रही टीम और आईपीआर में जिस दिन हाउस आफ लॉर्ड्स को संबोधित करने का दावा किया था उसके 5 दिन पहले से ही हाउस आफ लॉर्ड की कार्यवाही बंद थी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि इस तरह के झूठ बोलकर वह अपनी गरिमा गिरा रहे हैं साथ ही जिस सरकारी मशीनरी का प्रयोग करके वह झूठ बोल रहे हैं, उनकी भी साख दांव पर लगा रहे हैं। प्रदेश को गुमराह करने के लिए समाचार पत्रों के माध्यम से एक सफेद झूठ प्रकाशित करने के लिए उन्हें प्रदेशवासियों और सभी समाचार पत्रों से माफी मांगनी चाहिए। मेरा उनसे निवेदन है कि वह इस तरीके की हरकतें बार-बार करने से बाज़ आए। क्योंकि झूठ के पांव नहीं होते और उनके हर झूठ का दस्तावेज हम उन्हें उपलब्ध करवाते रहेंगे।

जयराम ठाकुर ने जंजैहली में आत्मनिर्भर कार्यक्रम को किया संबोधित : जयराम ठाकुर ने आज जंजैहली में आमेट निर्भर भारत अभियान से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान को दुहराते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता के बिना हमारी आज़ादी हमेशा ख़तरे में रहेगी।

आत्मनिर्भरता के बिना हम विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकते हैं। देश में शिप से लेकर चिप तक वायुयान से लेकर गगन यान और चंद्रयान तक हमें अपनी तकनीकी पर निर्भर होना है। हम स्वदेशी को बढ़ावा देंगे। आज भारत "मेड इन इंडिया-मेड फॉर वर्ल्ड" के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।

धर्मशाला : क्रसना लैब में वेतन न मिलने से काम ठप, मरीजों को झेलनी पड़ी मुश्किलें

धर्मशाला, राहुल चावला

जोनल अस्पताल धर्मशाला में स्थित क्रसना लैब में मंगलवार को करीब आधा घंटा टेस्ट और अन्य जांच कार्य ठप रहे। लैब स्टाफ को तीन माह से वेतन न मिलने के चलते कर्मचारियों ने काम बंद किया, जिससे मरीजों को रिपोर्ट और जांच में देरी का सामना करना पड़ा।

क्रसना लैब के इंचार्ज पंकज कुमार ने बताया कि स्टाफ को कंपनी की ओर से तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया। वहीं, सरकार द्वारा अस्पताल में मेडिकल टेस्ट सुविधा उपलब्ध कराने के एवज में क्रसना कंपनी को लगभग 100 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। इसके कारण कंपनी समय पर वेतन का भुगतान नहीं कर पा रही है।

कुल 13 कर्मियों के स्टाफ वाले लैब में पहले भी वेतन रोकने की घटनाएँ हुई थीं, जिन्हें बाद में भुगतान कर दिया गया। पंकज कुमार ने कहा कि कर्मचारियों ने हड़ताल केवल सरकार को जागरूक करने और लंबित राशि जारी कराने के लिए की।

इस दौरान अस्पताल में टेस्ट करवाने आई सुमन ने कहा कि उन्हें डाक्टर ने जांच लिखी थी, लेकिन लैब स्टाफ की हड़ताल के कारण उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा। उन्होंने सरकार से अपील की कि लंबित राशि का भुगतान शीघ्र किया जाए, ताकि कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल सके और मरीजों को परेशानी न हो।

पेंशनरों का फूटा गुस्सा : लंबित देनदारियों के भुगतान को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, बड़े आंदोलन की चेतावनी

संजु/समर न्यूज | शिमला

प्रदेश के पेंशनरों ने लंबित वित्तीय देनदारियों और पेंशन भुगतान में देरी को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश ज्वाइंट पेंशनर फ्रंट के बैनर तले पेंशनरों ने राजधानी शिमला सहित जिला मुख्यालयों में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जल्द समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

ज्वाइंट पेंशनर फ्रंट हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष आत्मा राम शर्मा ने कहा कि पेंशनरों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है। वर्ष 2016 से लंबित नए वेतनमान का एरियर अब तक जारी नहीं हुआ है। वहीं, करोड़ों रुपये के मेडिकल बिलों का भुगतान भी अटका हुआ है। इसके अलावा, 16 फ़ीसदी महंगाई भत्ता (DA) भी अभी तक देय है।शर्मा ने कहा कि वृद्धावस्था में भी पेंशनरों को अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत संयुक्त समन्वय समिति का गठन कर पेंशनरों की समस्याओं का समाधान करे।

पेंशनरों ने चेताया कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो आने वाले दिनों में राज्यव्यापी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के गृह जिले में भी पेंशनरों ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

वीरभद्र सिंह की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में कांग्रेस पर भाजपा का हमला

समर न्यूज | शिमला

भाजपा विधायक एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी रणधीर शर्मा ने कहा कि शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम सरकारी स्तर पर आयोजित किया गया, लेकिन कांग्रेस पार्टी के नेताओं और मुख्यमंत्री ने न तो पूर्व मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की, न ही सरकार की उपलब्धियों का बखान किया। केवल केंद्र सरकार की आलोचना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज भरे गए। भाजपा नेता ने इसे कांग्रेस नेताओं के मोदी-फोबिया से जोड़ा। रणधीर शर्मा ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज हिमाचल आएंगे, जबकि अनावरण कार्यक्रम में नहीं आए। यह पूर्व मुख्यमंत्री का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर वर्ष 2025 की प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावित लोगों से मिलने और संवेदना प्रकट न करने का भी आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कांग्रेस द्वारा विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 1500 रुपये मासिक देने का वायदा पूरा न करने का भी उल्लेख किया।

उनका कहना था कि कांग्रेस झूठे वायदे और गारंटियों के दम पर सत्ता में आती है और सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल जाती है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता हिमाचल में केवल राजनीतिक पर्यटन कर रहे हैं, जबकि आम लोगों की चिंता नहीं करते।

युवाओं को नशे से दूर रखने में जन-सहभागिता जरूरी : गौरव सिंह

समर न्यूज | सोलन

पुलिस अधीक्षक सोलन गौरव सिंह ने आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुल्तानपुर में छात्रों से संवाद किया और नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। इस अवसर पर छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद, एनसीसी, एनएसएस और स्वास्थ्य के प्रति रुचि विकसित करने पर जोर दिया गया।

गौरव सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जन-जन की सहभागिता आवश्यक है। ज़िला पुलिस सोलन द्वारा नशे के विरुद्ध सतत् कार्यवाही की जा रही है और सभी राजपत्रित अधिकारियों ने एक-एक विद्यालय को गोद लिया है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे छात्रों के व्यवहार पर ध्यान दें और किसी भी नशे की आशंका होने पर पुलिस को सूचित करें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने छात्रों से खुलकर अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि समय पर सूचना देने से अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। साथ ही, एक्ट ह्यूमन गैर सरकारी संगठन की सहायता से छात्रों को 45 स्पोर्ट्स किट और खेल-कूद सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुल्तानपुर के प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र और एक्ट ह्यूमन संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रदेश में चल रहा 'आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी' अभियान : नंदा

मोहित प्रेम शर्मा/ समर न्यूज़ | शिमला

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने पार्टी मुख्यालय कोटखाई में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में चल रहे 'आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी' अभियान की जानकारी दी। नंदा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य हर नागरिक को स्वदेशी से जोड़ना है और इसे जन आंदोलन के रूप में प्रदेश एवं देशभर में फैलाना है। स्वदेशी का अर्थ है अपने देश में निर्मित वस्तुओं को अपनाना और उनका उपयोग करना। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बहिष्कार का अभियान नहीं, बल्कि भारतीय उत्पाद और कौशल को प्राथमिकता देने का प्रयास है।

भाजपा मीडिया संयोजक ने बताया कि यह अभियान 25 दिसंबर, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक चलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य और स्वदेशी को आत्मनिर्भर भारत का मूल बताया। नंदा ने 2019 में 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान और उसके परिणामों को भी साझा किया। आज खादी की बिक्री 1.70 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। मोबाइल उत्पादन में 2 कंपनी से बढ़कर 300 फैक्ट्रियाँ बन चुकी हैं और देश के 99.2% मोबाइल अब मेड इन इंडिया हैं। ऑटोमोबाइल, ट्रैक्टर निर्माण और खिलौनों के आयात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

बैठक की अध्यक्षता मंडल महामंत्री अंकुश चौहान ने की, जिसमें प्रदेश युवा मोर्चा के सुशील कड़शोली, मीनाक्षी मान्टा, जतिन चौहान, यशवीर जस्टा, रविन्द्र चौहान, तजिंदर शर्मा और संजय बस्टा उपस्थित रहे।

किसी से ना कहना

मसला सिर्फ़ ज़मीन का नहीं, ज़मीर का भी है

कहते हैं — शहर वही, चेहरे वही, बस अब "चमक" कुछ ज़्यादा बढ़ गई है। पहले जो गलियाँ अपनापन ओढ़े थीं, अब वहीं पोस्टरबाज़ी की हवा बह रही है। वोटों की सियासत ने ऐसा रंग भरा कि ज़मीनें, हक़ और इंसानियत सब किसी कोने में सिमट गए। पर... किसी से न कहना!

कभी सोचा है —

क्या किसी की ज़मीन पर नाज़ायज क़ब्ज़ा करवाना अब क़ामयाबी का तमगा बन गया है?

क्या गरीबों की दुआओं की जगह उनकी बद्दुआएँ जमा करना अब राजनीति की नई स्ट्रैटेजी है?

सुनो एक किस्सा —

किसी अड्डे की जमीन में आजकल कुछ ज़्यादा ही हलचल है।

कहते हैं, वहाँ किसी ने लाखों की ज़मीन पर "सियासी बंजर" उगा दिया है।

कदम किसके थे? नाम कौन ले?

बस इतना समझ लो — जहाँ ताक़त बोलती है, वहाँ सच फुसफुसाता है।

और जब कोई विरोध में खड़ा होता है

तो तालियाँ भी बजती हैं और उंगलियाँ भी उठती हैं।

लोग कहते हैं, "वाह! साहस है।"

पर कोई ये नहीं पूछता — साहस किसके ख़िलाफ़ और समर्थन किसका था?

कहीं पुलिस अफ़सर किसी गुबारे वाली औरत को बार-बार बुला रहा है,

कहीं कोई "काउंसलर" जनता की नहीं, फोन की डोर खींच रहा है।

कहीं जात-पात के शब्दों की गूंज है, तो कहीं "इंसाफ़" का नाम लेकर धौंस की पटकथा लिखी जा रही है।

और फिर कहते हैं — "जनता हमारे साथ है।"

जनता सोचती है — कौन-सा 'हम' और किसका 'साथ'?

असल में, मामला सिर्फ़ ज़मीन का नहीं, ज़मीर का है।

सवाल ये नहीं कि किसने कब्ज़ा किया, सवाल ये है कि किसने चुप रहना चुना।

आज जो सियासत इंसाफ़ के नाम पर खेली जा रही है, वो कल इंसानियत के नाम पर शर्मिंदा भी करेगी।

पटियाला हो या कोई और शहर —

यहाँ लोग अब खामोश नहीं रहेंगे।

क्योंकि जब तक साँस है, सवाल रहेगा।

और जब तक सवाल रहेगा, सियासत में असली चेहरों की पहचान होती रहेगी।

तो सुन लो —

किसी से न कहना कि हमने कहा था,

पर अब वक्त आ गया है —

ज़मीन से ज़्यादा ज़रूरी है ज़मीर की हिफ़ाज़त।

टेक्नोलॉजी | दुनिया की बातें

जानिए नकली स्मार्टफोन पहचानने के आसान तरीके और ज़रूरी सावधानियां

त्योहारी सीजन और ऑनलाइन सेल का दौर शुरू होते ही नए स्मार्टफोन खरीदने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी मौके पर कई फर्जी विक्रेता (Fake Sellers) सक्रिय हो जाते हैं, जो असली ब्रांड के नाम पर नकली या रीफर्बिश्ड (Refurbished) फोन ग्राहकों को बेच देते हैं। ऐसे में यदि आप थोड़ी सावधानी बरतें, तो आसानी से धोखाधड़ी से बच सकते हैं। आइए जानते हैं कि असली और नकली स्मार्टफोन की पहचान कैसे करें।

1. सबसे पहले जांचें IMEI नंबर का स्टीकर

हर नए मोबाइल फोन के बॉक्स और डिवाइस दोनों पर IMEI नंबर का स्टीकर लगा होता है। यह 15 अंकों का एक अद्वितीय पहचान कोड (Unique Identification Code) होता है, जो हर मोबाइल को अलग पहचान देता है।

यदि आपको फोन के बॉक्स या डिवाइस पर IMEI स्टीकर नहीं दिखता, तो समझ लें कि कुछ गड़बड़ है — यह फोन नकली या चोरी का हो सकता है।

असली फोन खरीदते समय हमेशा

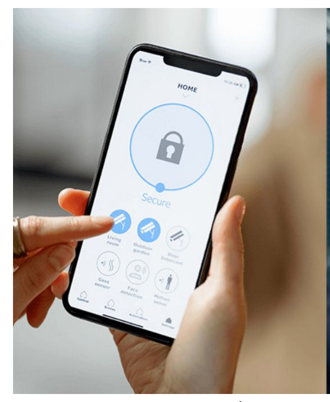

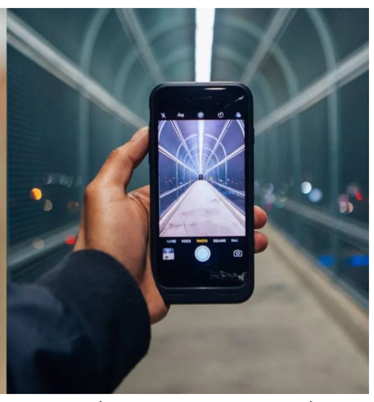

बॉक्स पर छपा IMEI नंबर और फोन में दिखने वाला नंबर मैच करें।

जांच के लिए कीपैड में *#06# डायल करें, स्क्रीन पर तुरंत IMEI नंबर दिखाई देगा।

2. Sanchar Saathi Portal से करें असलियत की जांच

भारत सरकार ने मोबाइल उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए Sanchar Saathi Portal (sancharsaathi.gov.in) शुरू किया है। इस पोर्टल की मदद से आप अपने फोन का IMEI नंबर वेरिफाई कर सकते हैं — यानी यह जान सकते हैं कि आपका फोन असली है या नकली।

यह पोर्टल खास तौर पर चोरी, गुम या फर्जी IMEI वाले मोबाइल की पहचान के लिए बनाया गया है ताकि कोई भी व्यक्ति ठगी का शिकार न हो।

3. इन स्टेप्स से करें वेरिफिकेशन

अगर आप अपने फोन की असलियत जांचना चाहते हैं, तो ये चरण अपनाएंः

1. अपने मोबाइल या लैपटॉप पर sancharsaathi.gov.in वेबसाइट खोलें।
2. 'Citizen Centric Services' सेक्शन में जाएं।
3. वहां 'Know Your Mobile (KYM)' विकल्प चुनें।
4. खुलने वाले फॉर्म में अपना मोबाइल नंबर और कैप्चा कोड दर्ज करें।
5. मोबाइल नंबर पर आए OTP को वेरिफाई करें।
6. अब फोन का IMEI नंबर डालकर सबमिट करें।

4. तुरंत मिलेगी पूरी जानकारी

जैसे ही आप IMEI नंबर दर्ज करते हैं, पोर्टल पर आपके फोन की ब्रांड, मॉडल, निर्माण कंपनी और स्टोरेज वेरिएंट जैसी डिटेल्स सामने आ जाती हैं।

अगर यह जानकारी आपके फोन से मेल नहीं खाती — यानी मॉडल या कंपनी का नाम कुछ और दिख रहा है — तो समझ जाएं कि आपका फोन नकली या रिफर्बिश्ड है।

5. नकली फोन से बचने के अन्य उपाय

हमेशा अधिकृत डीलर या कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट से ही फोन खरीदें।

"बहुत बड़ा डिस्काउंट" या "सीमित समय ऑफर" जैसी स्कीम देखकर लालच में न आएं।

खरीदते समय बिल और वारंटी कार्ड लेना न भूलें।

फोन का बॉक्स, चार्जर और एक्सेसरीज़ जांचें कि वे ब्रांडेड हैं या नहीं।

6. क्यों जरूरी है IMEI वेरिफिकेशन

IMEI नंबर सिर्फ फोन की पहचान नहीं बताता, बल्कि चोरी या गुम होने पर पुलिस और नेटवर्क कंपनियों को उसे ट्रेस (Track) करने में मदद करता है।

अगर आपके पास नकली IMEI वाला फोन है, तो वह नेटवर्क से ब्लॉक (Blocked) भी किया जा सकता है और बाद में काम नहीं करेगा। इसलिए नया स्मार्टफोन खरीदने से पहले IMEI नंबर की जांच जरूर करें। त्योहारी सेल के दौरान असली और नकली फोन में फर्क करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन थोड़ी सतर्कता, Sanchar Saathi Portal का इस्तेमाल और IMEI वेरिफिकेशन करके आप खुद को धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े से बचा सकते हैं।

Arattai की सफलता के बाद Zoho Mail ट्रेंड में, Gmail को टक्कर देगा यह निजी और सुरक्षित ईमेल प्लेटफॉर्म

समर न्यूज डेस्क

हाल ही में Zoho का चैटिंग ऐप Arattai काफी चर्चा में रहा, जिसे WhatsApp के स्वदेशी विकल्प के रूप में देखा गया। अब इसी कड़ी में कंपनी का एक और प्रोडक्ट - Zoho Mail - तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह ऐप अब उन यूजर्स की पहली पसंद बनता जा रहा है जो Gmail का निजी, सुरक्षित और बिना विज्ञापन वाला विकल्प तलाश रहे हैं।

Zoho Mail की खासियतें

Zoho Mail की सबसे बड़ी ताकत इसकी एड-फ्री (बिना विज्ञापन) पॉलिसी है। यहां न तो कोई पॉप-अप आता है, न ही कोई टारगेटेड ऐड। इसका इंटरफेस साफ-सुथरा है और इनबॉक्स पूरी तरह क्लटर-फ्री रहता है।

यह मजबूत एन्क्रिप्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है, जिससे यूजर्स का डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और किसी भी थर्ड पार्टी या अनऑथराइज्ड एक्सेस का खतरा नहीं होता।

प्रोफेशनल्स और बिजनेस के लिए फायदेमंद : Zoho Mail इस समय छोटे व्यवसायों और प्रोफेशनल्स के बीच खासा लोकप्रिय है। इसका कारण यह है कि यूजर्स इसमें अपना खुद का कस्टम डोमेन ईमेल बना सकते हैं - जैसे you@yourcompany.com। इससे ईमेल न सिर्फ प्रोफेशनल दिखता है, बल्कि कंपनी की पहचान भी मजबूत होती है।

Gmail से Zoho Mail पर ऐसे करें स्विच : अगर आप Gmail छोड़कर Zoho Mail पर आना चाहते हैं, तो ये आसान स्टेप्स अपनाएं -

1. Zoho Mail की वेबसाइट पर जाएं और साइन अप करें।
2. नया अकाउंट बनाएं - आप फ्री या पेड प्लान में से कोई भी चुन सकते हैं।
3. Gmail में जाकर Settings Forwarding and POP/IMAP खोलें और IMAP को ऑन करें ताकि Zoho आपके पुराने ईमेल्स को सुरक्षित रूप से एक्सेस कर सके।
4. इसके बाद Zoho Mail में Settings Import में जाकर Migration Wizard का इस्तेमाल करें, जिससे आपके पुराने ईमेल, फोल्डर और कॉन्टैक्ट्स आसानी से ट्रांसफर हो जाएं।
5. अंत में Gmail में ईमेल फॉरवर्डिंग ऑन करें ताकि नए आने वाले ईमेल सीधे आपके Zoho अकाउंट पर पहुंचें और कोई मैसेज मिस न हो।

निष्कर्ष : Zoho Mail, Arattai की तरह ही एक स्वदेशी और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म है। जो

यूजर्स डेटा प्राइवेसी और साफ-सुथरे अनुभव को प्राथमिकता देते हैं, उनके लिए यह Gmail का मजबूत और सुरक्षित विकल्प बनकर उभर रहा है।

Perplexity CEO अरविंद श्रीनिवास की चेतावनीः "AI से ऐसा मत करो" - वायरल हुआ संदेश

Perplexity के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने अपने एआई ब्राउज़र Comet के दुरुपयोग को लेकर सख्त चेतावनी जारी की है। यह मामला तब सामने आया जब एक भारतीय वेब डेवलपर अमृत निगम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में Twitter) पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें Comet AI ने खुद ही Coursera का "AI Ethics, Responsibility and Creativity" नामक ऑनलाइन कोर्स पूरा कर लिया।

अमृत निगम ने वीडियो के कैप्शन में लिखा - "बस अपना कोर्स पूरा कर लिया।" उन्होंने इसमें अरविंद श्रीनिवास, Perplexity और Comet AI को टैग किया। इस पोस्ट पर श्रीनिवास ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा - "बिल्कुल भी ऐसा मत करें।" उनका यह जवाब देखते ही देखते वायरल हो गया और ऑनलाइन बहस छिड़ गई। कई यूजर्स ने चिंता जताई कि अगर ऐसे मामलों पर रोक नहीं लगाई गई तो लोग एआई का दुरुपयोग कर शिक्षा जैसी प्रक्रियाओं को भी ऑटोमेट कर देंगे। वहीं कुछ ने कहा कि कोर्स में नामांकन का उद्देश्य खुद सीखना होता है, न कि एआई से असाइनमेंट या क्विज़ कराना। दूसरी ओर, कुछ यूजर्स ने स्वीकार किया कि छात्र पहले से ही Comet जैसे टूल्स का उपयोग "साप्ताहिक क्विज़, असाइनमेंट और बेसिक टास्क" पूरे करने के लिए कर रहे हैं।

Comet AI क्या है?

Comet, Perplexity का एक उन्नत एआई ब्राउज़र है, जिसे जुलाई 2024 में लॉन्च किया गया था। यह ब्राउज़िंग को अधिक स्मार्ट और इंटरएक्टिव बनाता है - यानी यूजर सिर्फ सर्च नहीं करता, बल्कि एआई उसके लिए जानकारी का विश्लेषण, सारांश और सुझाव भी देता है।

अक्टूबर से यह सभी के लिए फ्री कर दिया गया है। इसके जरिए यूजर्स वेबपेज का सारांश पढ़ सकते हैं, रिसर्च कर सकते हैं, ईमेल या फॉर्म भर सकते हैं, और यहां तक कि होटल बुकिंग भी कर सकते हैं। Comet उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग आदतों और टैब हिस्ट्री को याद रखता है, जिससे अनुभव अधिक पर्सनलाइज्ड हो जाता है। फिलहाल यह Windows और macOS पर उपलब्ध है, जबकि मोबाइल वर्ज़न में वॉइस कमांड फीचर जल्द आने वाला है।

पहले भी कर चुका है हैरान

Comet पहले भी सुर्खियों में रहा है जब एक Reddit यूज़र ने दावा किया था कि यह टूल खुद से Zerodha पर स्टॉक ट्रेड कर रहा था और IPO में आवेदन भी कर चुका था। उस वक्त श्रीनिवास ने इसे "Comet का सबसे रोमांचक फीचर" बताते हुए कहा था - "एजेंट्स की दुनिया यहां है।"

नैतिकता और जिम्मेदारी पर बड़ा सवाल

इस बार की चेतावनी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एआई जितना शक्तिशाली है, उतना ही जिम्मेदारी से इसका उपयोग जरूरी है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर सख्त एथिकल गाइडलाइन्स और सेफ्टी नीतियां बनाना बेहद आवश्यक है, ताकि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सीखने, शोध और नवाचार के लिए हो - न कि धोखे या शॉर्टकट के लिए।

क्या रोहित और विराट अगला विश्व कप खेलेंगे?

समर न्यूज | नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम ने नई दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराकर सीरीज 2-0 से जीत ली। भारत का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का है, जहां टीम को 3 वनडे और 5 टी20 मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय टीम का हिस्सा हैं। नई दिल्ली टेस्ट के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन दोनों खिलाड़ियों से जुड़े सवाल पर मुख्य कोच गौतम गंभीर ने जो कहा, वो उनके भविष्य पर कहीं न कहीं सवालिया निशान लगाता है। गौतम गंभीर से ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का हिस्सा रोहित शर्मा और विराट कोहली के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावना पर सवाल पूछा गया। गंभीर के जवाब ने कहीं न कहीं भारतीय टीम के दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों के वनडे करियर और अगला विश्व कप खेलने की संभावना पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। गंभीर ने कहा, "50 ओवरों का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। मुझे लगता है कि वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। दोनों बेहतरीन खिलाड़ी हैं, वे वापसी कर रहे हैं, और उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में भी काम आएगा। उम्मीद है कि उन दोनों खिलाड़ियों का दौरा सफल रहेगा, और उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि एक टीम के रूप में, हमारी सीरीज सफल रहेगी।"

गंभीर के जवाब का अध्ययन करने पर दो तथ्य सामने आते हैं। एक यह कि विश्व कप ढ़ाई साल बाद है। दरअसल, इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगले विश्व कप तक रोहित और विराट 40 साल के करीब होंगे। ऐसे में उनकी फिटनेस बेहद अहम होगी। इसके अलावा, गंभीर ने दोनों के सफल दौरे का जिक्र किया है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि रोहित और विराट के बल्ले से रन आने चाहिए। उन्हें सिर्फ अनुभव और पुराने फॉर्म के आधार पर शायद ही मौका मिले।

करीब 5 लाख की आबादी, काबो वर्डे ने फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

समर न्यूज | नई दिल्ली

काबो वर्डे ने पहली बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उसने एस्वातिनी को 3-0 से शिकस्त देकर ग्लोबल फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। करीब 5 लाख आबादी वाला काबो वर्डे, विश्व कप में पहुंचने वाला आबादी के लिहाज से दूसरा सबसे छोटा देश बन गया है। इस सूची में आइसलैंड शीर्ष पर है, जिसने साल 2018 फीफा विश्व कप में हिस्सा लिया था। पहले हाफ में एस्वातिनी के खिलाफ कड़ी टक्कर के बाद, काबो वर्डे ने दूसरे हाफ में शानदार खेल दिखाया। डैलोन लिव्रामेंटो, विली सेमेडो और स्टोपिरा के गोल ने एस्तादियो नासियोनल दे काबो वर्डे में फैंस को जश्न का मौका दिया।

काबो वर्डे ने अंतिम समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाई किया। पहले हाफ में तेज हवा के चलते कठिनाई झेलने के बाद, ब्लू शार्क्स ने 48वें मिनट पहली सफलता हासिल की। यानिक सेमेडो के क्रॉस पर डैलोन लिव्रामेंटो ने गोल दागा।

टीम ने लगातार आक्रमण जारी रखा। इस बीच जमिरो मोंतेइरो का दूर से शॉट क्रॉसबार से टकराया। 54वें मिनट विली सेमेडो ने रयान मेंडेस के क्रॉस पर पांच यार्ड की दूरी से गोल करके टीम को 2-0 से बढ़त दिलाई।

37 वर्षीय स्टोपिरा ने 90+1 मिनट पर गोल दागते हुए टीम को मुकाबले में 3-0 से आगे करते हुए जीत सुनिश्चित कर दी।

काबो वर्डे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाला सबसे छोटा राष्ट्र बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड त्रिनिदाद और टोबैगो के नाम था, जिसने जर्मनी में आयोजित फीफा वर्ल्ड कप 2006 में भाग लिया।

काबो वर्डे के इस ऐतिहासिक अभियान में लगातार पांच जीत शामिल थीं। इस टीम ने एस्वातिनी को हराकर फीफा विश्व कप के लिए ऐतिहासिक क्वालीफाई किया।

अब 5 दिसंबर को वाशिंगटन डीसी में होने वाले ड्रॉ में काबो वर्डे को फीफा विश्व कप 26 के ग्रुप-स्टेज प्रतिद्वंद्वियों का पता चलेगा।

काबो वर्डे को आधिकारिक तौर पर 'काबो वर्डे गणराज्य' के नाम से जाना जाता है। यह पश्चिमी अफ्रीका के तट से दूर अटलांटिक महासागर का एक द्वीपसमूह देश है।

खिलाड़ियों को मैनेज और टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात : शुभमन गिल

समर न्यूज | नई दिल्ली

शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। गिल को इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट की कप्तानी सौंपी गई थी, जहां टीम इंडिया ने 2-2 से सीरीज ड्रॉ करवाई। इसके बाद गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया है। गिल ने कप्तानी को लेकर कहा, "मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं।

सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना, इस टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है। यह किसी भी परिस्थिति में सही विकल्प चुनने के बारे में है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित निर्णय लेने की कोशिश करता हूं जिसमें हम उस खेल में होते हैं। कभी-कभी आपको एक साहसिक निर्णय लेना पड़ता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है।"

गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन लागू करने पर कहा, "हम लगभग 300 रन (270 रन) आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है।"

नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए।

नीतीश रेड्डी को सीरीज में भरपूर मौके दिए जाने पर कप्तान गिल ने कहा, "हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी सिर्फ विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी मदद कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है।

इस सीरीज में गिल ने 50, 129* और 13 रन की पारी खेली। गिल ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, "जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं, वो है अपनी टीम को मैच कैसे जिताएं। जब मैं बतौर बल्लेबाज मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में बस यही ख्याल आता है।"

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 39

निगम V/S कब्जाधारी: न कब्जा करने वाले टल रहे, न हटाने वाले, कार्रवाई होगी

सुनील शिंगार/समर न्यूज़ | लुधियाना

लुधियाना में नगर निगम का तह बाजारी विंग इन दिनों सड़कों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहा है। निगम अधिकारी रोज़ाना सड़कों से अतिक्रमण हटाने में जुटे हैं, लेकिन कब्जाधारक भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। जैसे ही निगम की टीम कार्रवाई कर इलाके को खाली करवाती है, कुछ ही घंटों में दुकानदार दोबारा सड़कों पर कब्जा कर लेते हैं। यह सिलसिला पिछले तीन दिनों से लगातार चल रहा है, जिससे निगम की कार्रवाई का असर ज़्यादा समय तक टिक नहीं पा रहा। बार-बार हटाने और दोबारा कब्जा करने की इस प्रक्रिया से नगर निगम की टीम भी परेशान हो चुकी है। अब निगम अधिकारियों ने दो टूक चेतावनी दी है कि जो दुकानदार लगातार नियम तोड़ रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई का उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था सुधारना और आम जनता को सड़क पर सुचारू रूप से चलने का अधिकार दिलाना है। नगर निगम का कहना है कि अब सिर्फ चेतावनी नहीं दी जाएगी, बल्कि जुर्माना और कानूनी केस भी दर्ज किए जाएंगे।

▪ पहली बार ऐसी कार्रवाई देखी दुकानदार...

जिन बाजारों में लगातार कार्रवाई हो रही है उन बाजारों के दुकानदारों का भी बयान हैरान करने वाला है। दुकानदारों ने सीधे शब्दों में कहा कि ऐसी सख्ती वाली कार्रवाई हमने कभी भी नहीं देखी। अक्सर निगम अधिकारी महीने में एक या दो बार आ कर अतिक्रमण हटाने की बात करते हैं और चले जाते हैं। लेकिन पहली बार देखा है कि एक ही दिन में एक ही बाजार में तीन-तीन बार अतिक्रमण हटाने के लिए तहबाजारी विंग पहुंच रहा है।

▪ एक दुकानदार ने यहां तक कह दिया कि 500 अधिकारी आए और चले गए...

कब्जा करने वालों पर जब निगम अधिकारी बाजारों में कार्रवाई कर रहे थे तो किताब बाजार के एक दुकानदार ने यह भी कह दिया कि यह कब्जे नहीं हटेंगे। उन्होंने इंस्पेक्टर के सामने ही सीधे शब्दों में कहा कि ऐसे 500 अधिकारी आए और चले गए लेकिन कब्जे वहीं के वहीं है। ऐसा ही तर्क और भी दुकानदार दे रहे हैं जिसको अब निगम का तहबाजारी विंग गंभीरता से ले रहा है और रोजाना ही उन बाजारों में कारवाई कर रहे हैं।

▪ लोग अपनी जिम्मेदारी समझें...

दुकान के बाहर तीन फीट तक लोग अपना सामान रख ले जिस पर मैं कोई कार्रवाई नहीं करूंगा। सड़कों पर कब्जे नहीं होंगे तो ट्रैफिक नहीं लगेगा। ऐसे में ज्यादा गिनती में लोग शॉपिंग करने मार्केटों में आएंगे जिसका फायदा दुकानदारों को ही होगा।

***विपन हांडा**, इंस्पेक्टर तहबाजारी*

शहरवासियों... बीती दिवाली, विश्वकर्मा पर 69 वारदातें थी, इस बार खुद ही ध्यान रखें

दमकल विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द, तीन नए वाहन मिलने पर कुल 25 गाड़ियां हुईं

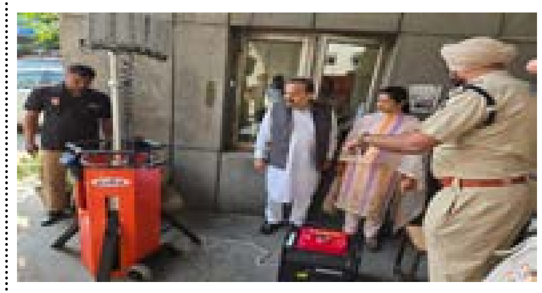

तीन नई गाड़ियों को मेयर ने दिखाई हरी झंडी।

सुनील शिंगार/समर न्यूज़ | लुधियाना

हर साल देखने को आता है कि दिवाली के दिनों में आग की घटनाएं अचानक बढ़ जाती है। बीते साल दिवाली और विश्वकर्मा वाले दिन महानगर में कुल 69 जगह पर आग लगने की घटनाएं हुई जहां पर 240 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची। आंकड़ा डराने वाला है। वही दमकल विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि लोग खुद ही अपने सामान का ध्यान रखें। इसी के चलते दमकल विभाग में जिला प्रशासन की तरफ से तीन नई गाड़ियों को जोड़ा गया है। अब दमकल विभाग के पास कुल 25 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां हो गई है। वही दमकल विभाग के अधिकारियों द्वारा 25 अक्टूबर तक सभी कर्मचारियों की छुट्टियों को भी रद्द किया गया है और 24 घंटे अलर्ट रहने के आदेश दिए। इस मौके पर जिला फायर अफसर जसविंदर सिंह ने बताया कि लोगों को चाहिए कि वह खुद ही अपने घरों और औद्योगिक इकाइयों की छतों पर कोई भी ज्वलनशील पदार्थ न रखें। उन्होंने बताया कि अक्सर ही दिवाली और विश्वकर्मा वाले दिन आग का कारण आतिशबाजी होती है जिसके चलते लोगों को खुद भी बचाव करना चाहिए।

▪ शहर में 5 फायर स्टेशन...*महानगर में कुल पांच फायर स्टेशन है। सबसे बड़ा और मुख्य फायर स्टेशन लोकल अड्डे हैं। इसके अलावा सुंदर नगर, फोकल प्वाइंट, हैबोवाल और ताजपुर रोड पर भी एक-एक फायर स्टेशन है। इन सभी फायर स्टेशनों पर कुल 80 के करीब दमकल विभाग के कर्मचारी तैनात हैं जो कि दिन रात की ड्यूटी पर रहते हैं। महानगर पर जब भी किसी आग की घटना की सूचना मिलती है तो उसके नजदीक के फायर स्टेशन से गाड़ियां भेज कर बाकी के चार फायर स्टेशन की गाड़ियों और उनके कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रख लिया जाता है। जरूरत पड़ने पर अन्य स्टेशनों से भी गाड़ियां मौके पर मंगवाई जाती हैं।*

▪ 3 नई गाड़ियों को मेयर ने दी हरी झंडी... *महानगर की मेयर इंद्रजीत कौर, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पाराशर और निगम के जोनल कमिश्नर नीरज जैन ने दमकल विभाग को दी गई तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को हरी झंडी थी। इस मौके पर उनके साथ जिला फायर ऑफिसर जसविंदर सिंह भी मौजूद रहे। मेयर इंद्रजीत कौर ने बताया कि दमकल विभाग के पास मौजूदा समय में आधुनिक तकनीक की फायर ब्रिगेड की गाड़ियां है तो बीते लंबे समय से डिमांड हाइड्रोलिक सीढ़ी की थी जो भी अब फायर ब्रिगेड विभाग के पास है।*

कपड़ा कारोबारी को सूए मार किया घायल, 70 हजार लूटे

अशवनी पाहवा/समर न्यूज़ | लुधियाना

सीसीटीवी में कपड़ा कारोबारी पर हमले करते की वीडियो।

शहर के छावनी मोहल्ला स्थित धक्का कॉलोनी में गैंगवार का मामला सामने आया है, जहा बीती रात गांधी नगर में रेडीमेड कपड़ों का कारोबार करने वाले एक युवक पर गैंगस्टर मोविश बैंस और उसके साथियों ने बीच सड़क पर हमला कर दिया। हमले में घायल युवक को गंभीर हालत में डीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी देते हुए घायल सागर ने बताया कि वह अपने साथी तरुण के साथ बाइक पर दुकान से घर लौट रहा था। रास्ते में कुछ बदमाशों ने उसे घेर लिया और पिस्तोल की बट्ट से सिर पर वार किया। सागर ने किसी तरह अपनी बाइक भगाने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से गिर गया। इसके बाद हमलावरों ने उसे तेजधार हथियारों से बुरी तरह जख्मी कर दिया। बदमाशों ने उसकी टांग और एड़ी तोड़ दी तथा पीठ पर करीब दर्जनभर सुए मारे। पीड़ित ने बताया कि हमलावरों ने उसकी जेब से 70 हजार रुपए लूट लिए और मोबाइल छीनने के बाद वहीं फेंक दिया। घायल सागर ने बताया कि गैंगस्टर मोविश बैंस की उसके ताया के बेटे मुकुल के साथ दो साल पहले रंजिश चल रही थी। उस समय मोविश ने मुकुल की गाड़ी पर गोलियां चलाई थीं। सागर का मुकुल से कोई विवाद नहीं था, लेकिन पुरानी दुश्मनी के चलते उसे निशाना बनाया गया। हमले के दौरान मोविश के साथ उसके 3 अन्य साथी भी थे, उन सभी के पास पिस्तौलें थी। सागर ने पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और उसे व उसके परिवार को सुरक्षा दी जाए। उसने कहा कि यदि आरोपियों को समय रहते नहीं पकड़ा गया तो वे फिर किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं।

मारपीट की यह पूरी वारदात नजदीकी इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। वीडियो फुटेज में मोविश बैंस और उसके साथी स्पष्ट रूप से नजर आ रहे हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इलाके के लोगों का कहना है कि ये युवक लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हैं और खुलेआम नशा बेचते हैं। लोग डर के कारण इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने से कतराते हैं। वही थाना डिवीजन नंबर 4 के एसएचओ गगनदीप सिंह ने बताया कि मोविश बैंस और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

चौड़ा बाजार में आज से चार पहिया वाहन की एंट्री बंद, ट्रैफिक पुलिस कर रही है ट्रायल

अशवनी पाहवा /सौरभ अरोड़ा/ समर न्यूज़ | लुधियाना

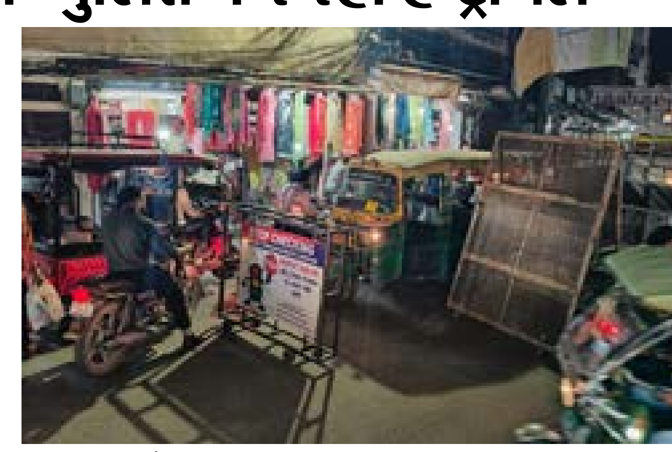

लुधियाना के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक चौड़ा बाजार में अब चार पहिया वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार से इस व्यवस्था का ट्रायल शुरू किया है। इस कदम का उद्देश्य बाजार में रोजाना लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था को कम करना है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार चौड़ा बाजार क्षेत्र में सुबह से रात तक खरीदारों और व्यापारियों की भारी भीड़ रहती है। संकरी गलियों में चार पहिया वाहनों के प्रवेश से ट्रैफिक बाधित होता था और अक्सर जाम की स्थिति बन जाती थी। इसी कारण ट्रैफिक विभाग ने निर्णय लिया कि अब बाजार में चार पहिया वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। एसीपी ट्रैफिक जतिन बांसल ने बताया कि यह व्यवस्था फिलहाल प्रायोगिक रूप से लागू की गई है। अगले एक सप्ताह तक ट्रैफिक का रूटीन मॉनिटर किया जाएगा और लोगों की प्रतिक्रिया लेने के बाद रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उसके बाद ही इसे स्थायी रूप देने पर फैसला लिया जाएगा। इस दौरान वाहनों के लिए वैकल्पिक रूट भी तय किए गए हैं ताकि किसी को असुविधा न हो। पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेड्स लगाकर वाहनों को डायवर्ट किया है। दूसरी और स्थानीय दुकानदारों और ग्राहकों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कुछ व्यापारियों ने कहा कि इससे बाजार में भीड़ और जाम कम होगा, जिससे ग्राहकों को चलने में आसानी मिलेगी। वहीं कुछ ने चिंता जताई कि बड़े सामान की डिलीवरी में दिक्कतें आ सकती हैं। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और इस नई व्यवस्था में सहयोग दें ताकि चौड़ा बाजार को भीड़मुक्त, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके।

पायल में मिठाइयों से भरा वाहन जब्त- फूड सेफ्टी टीम की बड़ी कार्रवाई

त्योहारों के सीजन में मिलावट पर सख्ती, विभाग ने जांच को भेजे पांच नमूने गए

समर न्यूज़ | लुधियाना

सिविल सर्जन लुधियाना डॉ. रमनदीप कौर के दिशा-निर्देश और डिज़ाइनेटेड अधिकारी डॉ. संदीप सिंह की देखरेख में फूड सेफ्टी टीम लुधियाना ने मंगलवार को पायल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने चंडीगढ़ से आ रही मिठाइयों से भरी एक गाड़ी को रोका, जो पायल क्षेत्र की विभिन्न मिठाई दुकानों में सप्लाई के लिए जा रही थी। जांच के दौरान पाया गया कि वाहन में रखी मिठाइयों की गुणवत्ता संदिग्ध है। इस पर टीम ने पूरा माल मौके पर ही जब्त कर लिया और पुलिस की मदद से वाहन को हिरासत में ले लिया गया।

जब्त मिठाइयों में करीब 3 क्विंटल मिल्क केक, 210 किलो खोया बर्फी, 50 किलो लड्डू, 5 किलो ढोडा और 10 किलो रसगुल्ले शामिल थे। टीम ने मौके से 5 नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला (State Food Laboratory) भेजे हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप कौर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्योहारों के इस मौसम में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर सख्त निगरानी रखी जा रही है, ताकि लोगों को मिलावटी और असुरक्षित भोजन से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि "खाद्य गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" फूड सेफ्टी विभाग ने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे मिठाइयाँ या अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय स्वच्छता, पैकिंग और लाइसेंस नंबर पर विशेष ध्यान दें। विभाग ने चेतावनी दी है कि त्योहारों के सीजन में मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि लोगों की सेहत सुरक्षित रह सके।

एनडीपीएस केस में भगोड़ा करार पूर्व लेडी इंस्पेक्टर ने मोगा कोर्ट में किया सरेंडर, अदालत ने 20 तक हिरासत में भेजा

समर न्यूज़ | लुधियाना

पूर्व एसएचओ अर्शप्रीत कौर और मोगा पुलिस।

एनडीपीएस मामले में करीब एक साल से फरार चल रही पूर्व लेडी इंस्पेक्टर अर्शप्रीत कौर गरेवाल ने सोमवार को मोगा की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने एडिशनल सेशन जज रवींदर कौर की अदालत में सरेंडर किया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें 20 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामले के अनुसार, 1 अक्टूबर 2024 को उस समय थाना कोट ई सेखा में तैनात एसएचओ इंस्पेक्टर अर्शप्रीत कौर गरेवाल और मुंशी गुरप्रीत सिंह ने अमरजीत सिंह नामक व्यक्ति से 2 किलो अफीम बरामद की थी। उस पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद की जांच में सामने आया कि अमरजीत सिंह के साथ उसके दो और साथी भी थे, जिनके पास 3 किलो अफीम और थी। आरोप है कि उन दोनों को छोड़ने के लिए आठ लाख रुपये में सौदा हुआ था। जिसमें से पांच लाख रुपये अर्शप्रीत कौर, गुरप्रीत सिंह और राजपाल सिंह ने आपस में बांट लिए। पुलिस ने इस मामले की जांच पूरी करने के बाद इंस्पेक्टर अर्शप्रीत कौर गरेवाल, कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह, राजपाल सिंह और मनप्रीत सिंह के खिलाफ करप्शन एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

मामला दर्ज होने के बाद अर्शप्रीत कौर करीब नौ महीने तक फरार रहीं और अदालत में पेश नहीं हुईं। अदालत में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण 31 जुलाई 2025 को मोगा की अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था।

मंगलवार को करीब एक साल बाद पूर्व लेडी इंस्पेक्टर अर्शप्रीत कौर गरेवाल ने अदालत में सरेंडर करते हुए खुद को न्याय के हवाले कर दिया। यहां आपको बता दे कि एसएचओ अर्शप्रीत कौर लुधियाना में लेडी सिंघम के नाम से जानी जाती थी। उसने कोरोना काल के दौरान लुधियाना के बस्ती जोधेवाल थाने में बखूबी रोल अपनाया था। कोरोना की चपेट में आने के बाद वह सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसे पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह सहित कई कलाकारों और अदाकारों ने वीडियो कॉल पर बात की थी।भगोड़ा घोषित होने से पहले अर्शप्रीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक फेसबुक पोस्ट जारी कर वरिष्ठ अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न और बदले की भावना से झूठा केस दर्ज कराने के आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि यह पूरा मामला उनके खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई है।

बिहार से रेल रास्ते गांजा बेचने पहुंचे तस्कर को जीआरपी ने किया काबू

सुनील शिंगार/समर न्यूज़ | लुधियाना

गांजा की सप्लाई करने के लिए रेल रास्ते बिहार के जिला बेतिया से लुधियाना पहुंचे एक तस्कर को थाना जीआरपी की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से 5 किलो गांजा बरामद किया है जिसके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया। वही पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आरोपी को बुधवार अदालत में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के जिला बेतिया निवासी दामोदर है। मामले की जानकारी देते हुए थाना जीआरपी के प्रभारी पलविंदर सिंह ने बताया कि उनकी पुलिस पार्टी मंगलवार को रेलवे स्टेशन के आसपास इलाका में गश्त कर रही थी। इस दौरान उक्त आरोपी को काबू कर चेकिंग की जिसके हाथ में एक बैग पड़ा हुआ था। पलविंदर सिंह ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर इस बात का पता लगाया जा रहा है कि वह उक्त नशे की खेप लुधियाना में किस को सप्लाई करने के लिए आया था। आरोपी के मोबाइल फोन की डिटेल खंगाली जा रही है तो उससे पूछताछ भी की जा रही है।

छठ पूजा के लिए लुधियाना से प्रवासियों के लिए 6 स्पेशल ट्रेनें

समर न्यूज़ | लुधियाना

छठ पूजा के लिए लुधियाना से यूपी-बिहार के लिए स्पेशन ट्रेनें।

छठ पूजा के लिए लुधियाना से यूपी बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। फिरोजपुर मंडल के अधिकारियों ने लुधियाना से 6 नई ऐसी ट्रेन चलाई है जो कि यूपी व बिहार के अलग-अलग स्टेशनों तक जाएगी। इन ट्रेनों की समय सूची भी जारी कर दी गई है। रेल अधिकारियों का यह भी मानना है कि जरूरत पड़ने पर और भी त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। फिलहाल जो भी स्पेशल ट्रेन में चलाई जा रही हैं उसके लिए रेल अधिकारियों ने पुख्ता प्रबंध भी किए हैं।

▪ डीआरएम ने लुधियाना स्टेशन पर की चेकिंग... फिरोजपुर मंडल के डीआरएम संजीव कुमार ने लुधियाना रेलवे स्टेशन पर सोमवार को चेकिंग की। इस दौरान उन्होंने त्यौहार के सीजन में स्पेशल चलाई जाने वाली ट्रेनों के लिए यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं की जांच की। रेलवे स्टेशन पर साफ सफाई, वेटिंग एरिया की जांच की ओर स्टेशन के अधिकारियों को हितायतें दी कि किसी भी यात्री को परेशानी का सामना न करना पड़े। त्योहारों के सीजन के चलते रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त रेलवे स्टाफ को भी तैनात किया जा रहा है।

▪ यह है स्पैशल ट्रेनें... लुधियाना से सहरसा के लिए तीन स्पेशल ट्रेन चलाई गई है। यह तीनों ही त्यौहार स्पेशल ट्रेन (04656) 22, 23 व 24 अक्टूबर को लुधियाना से सुबह 11:30 बजे चलेगी। वहीं लुधियाना से कटिहार के लिए 22 अक्टूबर को रात 11:35 बजे व 23 अक्टूबर शाम 4:50 बजे ट्रेन नंबर (04658) चलेगी। वहीं 24 अक्टूबर को पटना के लिए ट्रेन नंबर (04664) रात 8:20 बजे लुधियाना रेलवे स्टेशन से चलेगी। यह सभी ट्रेन ढंडारी रेलवे स्टेशन पर भी रखेंगे।

सुबह चंडीगढ़ रोड से चोरी हुई 6 माह की बच्ची शाम को रेलवे स्टेशन के पास हुई बरामद

सुनील शिंगार /गुरमीत/ समर न्यूज़ | लुधियाना

फुटपाथ पर सो रहे खिलौने बेचने वाले एक दंपति की 6 महीनें की बच्ची को कुछ लोगों ने चोरी कर लिया। यह वारदात मंगलवार सुबह तड़के करीब 4 बजे की है। बच्ची चोरी का पता चलते ही परिवार के लोगों ने तत्काल प्रभाव से पुलिस को सूचना दी। थाना डिवीजन 7 की पुलिस में बच्ची चोरी की सूचना मिलने के बाद तलाश शुरू की। देर शाम को बच्ची के रेलवे स्टेशन के पास लावारिस फुटपाथ पर पड़े होने की सूचना मिली तो पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंच बच्ची को कब्जे में लिया। वही डिवीजन 7 की पुलिस ने बच्ची के पिता के बयानों के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बच्ची के पिता राजू ने बताया कि वह जगराओं के रहने वाले हैं और लुधियाना में मेले लगे होने के कारण खिलौने बेचने आए थे और यही फुटपाथ पर रात के समय सो जाते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार रात को वह चंडीगढ़ रोड स्थित वर्तमान चौक के पास फुटपाथ पर ही सो रहे थे। इसी दौरान उसकी 6 महीने की बेटी रोशनी भी उसके साथ ही थी। राजू ने बताया कि जब वह सुबह 4 बजे उठे तो उसने देखा कि उसकी बेटी वहां पर नहीं थी जिसको कोई चोरी कर ले गया था। वही इस मामले में थाना डिवीजन 7 के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम को उनको सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के पास एक लावारिस हालत में बच्ची फुटपाथ पर पड़ी है। उन्होंने बताया कि जब वह मौके पर पहुंचे तो सुबह चोरी हुई बच्ची के परिजनों को मौके पर बुलाकर पहचान करवाई गई। वहीं उन्होंने बताया कि अब वह महानगर में लगे से सिटी कैमरा के तहत आरोपी की तलाश करने में जुटे हैं।

समर एक्सप्रेस

इंडियन यूनियन मुस्लिम यूथ लीग कनवेंशनः वड़िंग ने विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ चेतावनी दी

भारत की ताकत उसकी विविधता में है

हरजीत मठारू/समर न्यूज़ | चंडीगढ़

देश में सांप्रदायिक और विभाजनकारी ताकतों के उभार के खिलाफ चेतावनी देते हुए, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा है कि भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है और इसे कमजोर करने का कोई भी प्रयास देश को कमजोर करेगा। आज आगरा में 'मेरी पहचान, मेरा गौरव' विषय पर इंडियन यूनियन मुस्लिम यूथ लीग के प्रतिनिधि सत्र को संबोधित करते हुए, वड़िंग ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि देश में रहने वाले प्रत्येक नागरिक का है। इस दौरान, उन्होंने अपनी पहचान पर गर्व व्यक्त करने के लिए इंडियन यूनियन मुस्लिम यूथ लीग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह इस देश की विविधता की खूबसूरती है कि विभिन्न धर्मों के लोग, चाहे वे हिंदू हों, मुस्लिम हों, सिख हों, ईसाई हों या अन्य, अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखते हुए भारतीय हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लुधियाना से सांसद ने चेतावनी दी कि देश में कुछ ताकतें अभी भी मनुस्मृति थोपने की कोशिश कर रही हैं और डॉ. बी. आर. अंबेडकर द्वारा रचित संविधान को स्वीकार नहीं कर रही हैं, जो सभी के लिए समानता का उपदेश देता है और सभी को समान अधिकार देता है। वड़िंग ने कहा कि लोगों द्वारा अपनी व्यक्तिगत पहचान का दावा करने और उसे व्यक्त करने में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि हम अलग-अलग धर्मों के हो सकते हैं, अलग-अलग धर्मों का पालन करते हैं, लेकिन सबसे बढ़कर हम इंसान हैं और भारतीय भी हैं। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा और प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधा और कहा कि उनका एकमात्र एजेंडा किसी भी तरह सत्ता में बने रहना है। पहले उन्होंने लोगों का ध्रुवीकरण किया और उन्हें आपस में लड़ाया और जब उन्हें लगा कि अब यह नहीं चलेगा, तो उन्होंने वोट चुराना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि एक इंसान और एक भारतीय होने के नाते, कोई भी ताकत हमें बांट नहीं सकती।

हॉलीवुड स्टाइल में नशे के कारोबार की काली दुनिया को उजागर करेगी पंजाबी फ़िल्म- राजधानी पंजाब

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकार देंगे पंजाबी सिनेमा को ऊंचाई

हरजीत मठारू/ समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाबी सिनेमा में एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। जल्द ही रिलीज़ होने वाली फ़िल्म "राजधानी पंजाब" हॉलीवुड-स्टाइल थ्रिलर प्रस्तुति के साथ नशे के कारोबार की परतों को यथार्थवादी और प्रभावशाली अंदाज़ में उजागर करने वाली है। फ़िल्म की टीम आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में मीडिया से रूबरू हुई। टीम ने बताया कि "राजधानी पंजाब" सिर्फ़ एक मनोरंजक फ़िल्म नहीं है, बल्कि पंजाब और उसके आसपास फैले अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क पर आधारित एक सशक्त सिनेमाई प्रस्तुति है। निर्माता, लेखक और अभिनेता गुरप्रीत ने कहा, "यह फ़िल्म पंजाबी सिनेमा के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगी। इसमें कोई बनावटी मसाला या दिखावा नहीं है। यह एक रियलिस्टिक, सच्ची और 'नेटफ्लिक्स टाइप' फ़िल्म है जो पंजाबी कहानी कहने की प्रामाणिकता को नया आयाम देगी।" आधुनिक और भविष्यवादी दृष्टिकोण से बनी इस फ़िल्म का स्क्रीनप्ले, सिनेमैटोग्राफी और डायरेक्शन इसे पारंपरिक पंजाबी फ़िल्मों से अलग पहचान देते हैं। फ़िल्म में योगराज सिंह अपने करियर के सबसे दमदार किरदार में नज़र आएंगे — एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो नशामुक्त पंजाब की लड़ाई का प्रतीक है। योगराज सिंह के साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मुंबई और पंजाब के कई प्रतिभाशाली थिएटर आर्टिस्ट्स — जिनमें नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से जुड़े युवा कलाकार भी शामिल हैं — ने इस फ़िल्म को और अधिक सशक्त बनाया है। टीम का विश्वास है कि "राजधानी पंजाब" पंजाबी सिनेमा की पहचान बदल देगी और दर्शकों को एक विश्वस्तरीय सिनेमाई अनुभव देगी।

डीसी कोमल मित्तल ने राजस्व विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा की

मोहाली जिले में 23 अक्टूबर से संशोधित कलेक्टर दरें लागू होंगी

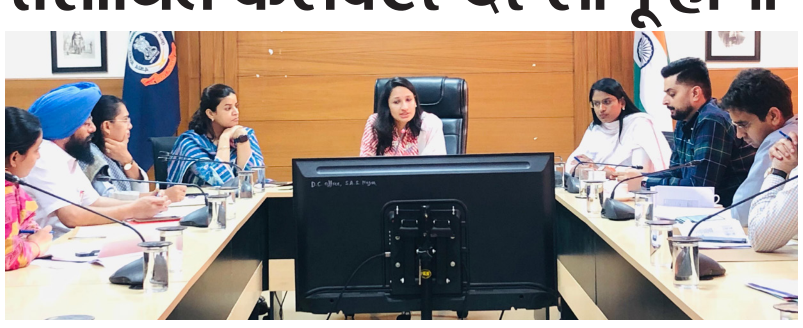

समर न्यूज/परदीप सिंह हैप्पी | मोहाली

उपायुक्त कोमल मित्तल ने राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें चल रहे कार्यों का आकलन और भूमि एवं राजस्व प्रशासन में दक्षता एवं पारदर्शिता में सुधार लाने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों की प्रगति की निगरानी की गई। बैठक के दौरान, उपायुक्त ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रगति, लंबित इंतकाल की स्थिति और राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली के प्रदर्शन की समीक्षा की। उन्होंने जमाबंदियों की समय पर तैयारी, प्रेषण और लाइव अपडेट पर ज़ोर दिया, साथ ही धारा 47-ए के तहत वसूली और एसडीएम व तहसीलदार स्तर पर लंबित अदालती मामलों की समीक्षा की। सीआरओ (सर्किल रिवेन्यु अफसर) द्वारा वसूली की प्रगति और व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त नागरिक शिकायतों के निवारण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने राजस्व कार्यालयों में बुनियादी ढाँचे में सुधार, भूकर मानचित्रों के अद्यतनीकरण और पिछले महीने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण), उप-जिलाधिपति और मुख्य राजस्व अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत निरीक्षण रिपोर्टों से संबंधित मुद्दों की भी प्रगति जा। 3ए और 3डी अधिसूचनाओं के तहत जमाबंदियों में रपट प्रविष्टियों, एन एच ए आई (सड़क परिवहन मंत्रालय) के पक्ष में इंतकाल और अनुमोदनों, और पटवारियों द्वारा पेड़ों, पाइपलाइनों और संरचनाओं के मूल्यांकन के सत्यापन से संबंधित मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। खंडवार खसरा मानचित्रण और अन्य विविध प्रशासनिक मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त कोमल मित्तल ने बताया कि संशोधित कलेक्टर दरें 23 अक्टूबर, 2025 से एस ए एस नगर जिले में लागू होंगी। उन्होंने कहा कि संपत्ति के लेन-देन में यथार्थवादी बाजार मूल्य सुनिश्चित करने और सुचारू पंजीकरण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों के साथ विस्तृत परामर्श के बाद नई दरों को युक्तिसंगत बनाया गया है। बैठक का समापन करते हुए, उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को लंबित राजस्व मामलों के निपटारों में तेजी लाने, भूमि अभिलेखों में सटीकता बनाए रखने और अधिक डिजिटल पारदर्शिता और समय पर निरीक्षण के माध्यम से नागरिक-अनुकूल सेवा वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

16 अक्टूबर से सुबह 9 बजे पंजीकरण काउंटर खुलेंगे

समर न्यूज़ | मोहाली

जिले के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के खुलने और बंद होने का समय 16 अक्टूबर से बदल जाएगा। यह जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ. संगीता जैन ने बताया कि जिले के सरकारी स्वास्थ्य संस्थान अब सुबह 9 बजे खुलेंगे और दोपहर 3 बजे बंद होंगे, जबकि आपातकालीन सेवाएं पहले की तरह 24 घंटे लगातार उपलब्ध रहेंगी। इन संस्थानों में जिला अस्पताल मोहाली, उप-मंडल अस्पताल खरड़ और डेराबस्सी, जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आम आदमी क्लीनिक, ईएसआई अस्पताल, डिस्पेंसरी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार के निर्देश पर अस्पतालों में पंजीकरण काउंटर अस्पतालों के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले खुलेंगे ताकि पर्ची बनवाते समय मरीजों की कतार न लगे और मरीज आराम से समय पर अपनी जांच और इलाज करवा सकें। डॉ. जैन ने स्पष्ट किया कि सिविल सर्जन कार्यालय मोहाली और जिले के संबंधित अस्पतालों के कार्यालयों का कार्य समय पहले की तरह सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक ही रहेगा, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि सरकारी अस्पतालों का ग्रीष्मकालीन समय (16 अप्रैल से 15 अक्टूबर) सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक है, जबकि शीतकालीन समय (16 अक्टूबर से 15 अप्रैल) सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक है।

सिविल सर्जन डॉ. संगीता जैन।

पंजाबी प्रकोष्ठ, भाषा विभाग और पंजाब ने राजकीय महाविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की

समर न्यूज़ | मोहाली

उच्च शिक्षा एवं भाषा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस के मार्गदर्शन और निदेशक भाषा विभाग, पंजाब स. जसवंत सिंह ज़फर के निर्देशों पर, सहायक निदेशक, पंजाबी प्रकोष्ठ, चंडीगढ़ के कार्यालय द्वारा आज शहीद मेजर हरमिंदर पाल सिंह राजकीय महाविद्यालय, फेज 6, मोहाली में जिले के विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों के लिए लिखित बाल साहित्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। सहायक निदेशक श्रीमती सुरिंदर कौर की देखरेख में आयोजित इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत के प्रति प्रेम जगाना है। अनुसंधान अधिकारी श्रीमती जागृत कौर और अनुसंधान अधिकारी श्रीमती जगदीप जोत ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और विभाग की कार्यशैली के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के नियमों के अनुसार, ये प्रतियोगिताएँ लिखित रूप में आयोजित की गईं और इनके लिए एक घंटे का समय निर्धारित किया गया था। विद्यार्थियों से पंजाबी भाषा, साहित्य, धर्म, व्यक्तित्व, संस्कृति, इतिहास और भूगोल से संबंधित कुल 100 प्रश्न पूछे गए और प्रश्नपत्र के कुल अंक 400 थे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 1000/-, 750/- और 500/- रुपये के नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के उप-सचिव (शैक्षणिक) द्वारा भेजे गए एक प्रतिनिधि ने विभिन्न स्कूलों से आए विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी ओलंपियाड के बारे में जानकारी दी और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को ओलंपियाड में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शोध अधिकारी श्रीमती जगदीप जोत ने विद्यार्थियों से अपनी मातृभाषा पंजाबी से जुड़े रहने और साहित्य के प्रति अपने प्रेम को जीवित रखने की अपील की। इन प्रतियोगिताओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने हेतु स्कूल के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों का विशेष धन्यवाद किया गया और उन्हें भविष्य में भी इन प्रतियोगिताओं में और अधिक उत्साह से भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षक बलदेव सिंह, कनिष्ठ सहायक श्री गुरविंदर सिंह, सेवक श्री गुरचरण सिंह और सभी आशुलिपि प्रशिक्षुओं का आयोजन की सफलता में विशेष योगदान रहा। सहायक निदेशक (पंजाबी प्रकोष्ठ) कार्यालय, चंडीगढ़ ने इन प्रतियोगिताओं के सुचारू संचालन में सहयोग के लिए राजकीय महाविद्यालय, मोहाली के प्राचार्य और समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

चंडीगढ़ में दो अलग-अलग जगहों पर युवक और किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

धनास इलाके में मंगलवार शाम दो आत्महत्या की घटनाओं से सनसनी फैल गई। दोनों मामले अलग-अलग स्थानों पर सामने आए। पहला मामला लाला वाला पीर के पास मकान नंबर-11ए का है, जहां 29 वर्षीय सूरज अपने घर में फंदे से लटका मिला। सूरज पंजाब यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रीशियन के पद पर कार्यरत था। शाम करीब 5 बजे उसका भाई जब काम से लौटा तो उसने सूरज को फंदे पर झूलता देखा। परिजनों ने बताया कि सूरज पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। सोमवार रात भी जब भाई ने हालचाल पूछा, तो उसने कहा था कि सब कुछ ठीक है। दूसरी घटना धनास के स्मॉल फ्लैट नंबर-1380ए की है। यहां 16 वर्षीय किशोरी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों के अनुसार, शाम करीब 5 बजे कुछ बच्चे उसे खेलने के लिए बुलाने पहुंचे। दरवाजा न खुलने पर जब उन्होंने झरोखे से झांका तो किशोरी को फंदे से लटका देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। उस समय मृतका के माता-पिता काम पर गए हुए थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है ताकि आत्महत्या की असली वजहों का पता लगाया जा सके।

सुखना लेक के पास चंडीगढ़ और पंजाब पुलिस आमने-सामने, अफसरों के बीच तनी पिस्तौलें

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

मंगलवार को सुखना लेक के पास उस वक्त हंगामा मच गया जब चंडीगढ़ और पंजाब पुलिस के अफसरों में तीखा विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के अधिकारियों ने एक-दूसरे पर सरकारी पिस्तौलें तक तान दीं। विवाद की जड़ में हैं नवनीत चतुर्वेदी, जिन्होंने पंजाब की राज्यसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल किया था। बताया जा रहा है कि नवनीत ने खतरे की आशंका जताई थी, जिसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने उन्हें सुरक्षा में रखा हुआ था। इसी बीच, उनके खिलाफ रूपनगर

(रोपड़) में दर्ज एफआईआर के आधार पर पंजाब पुलिस की टीम एसपी और डीएसपी की अगुवाई में उन्हें गिरफ्तार करने चंडीगढ़ पहुंची। जैसे ही चंडीगढ़ पुलिस ने नवनीत चतुर्वेदी को अपनी गाड़ियों में बैठाकर तेज़ी से बाहर निकाला, पंजाब पुलिस की टीम उनके पीछे निकल पड़ी। इस दौरान सुखना लेक के पास और बाद में चंडीगढ़ पुलिस मुख्यालय के बाहर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि दोनों ओर के अफसरों ने हथियार निकाल लिए। सूत्रों के मुताबिक, चंडीगढ़ सेक्टर-3 थाने के इंस्पेक्टर और रूपनगर के एसपी गुरदीप सिंह गोसार के बीच सीधे तौर पर टकराव हुआ और दोनों ने एक-दूसरे पर पिस्तौल तान दी। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं हुई है। वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नज़र रखे हुए हैं और दोनों राज्यों की पुलिस के बीच समन्वय बहाल करने की कोशिशें जारी हैं।

नवनीत चतुर्वेदी पर आरोप क्या हैं

जयपुर निवासी नवनीत चतुर्वेदी ने पंजाब की राज्यसभा की एकमात्र सीट के उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था।

उन्होंने खुद को जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया था। सोमवार को उनका नामांकन पत्र फर्जी हस्ताक्षरों के आरोप में रद्द कर दिया गया। आरोप है कि चतुर्वेदी ने आम आदमी पार्टी के कुछ विधायकों के जाली हस्ताक्षर अपने नामांकन दस्तावेजों में जोड़े थे। इसी मामले में पंजाब पुलिस ने एफआईआर दर्ज की, जिसके बाद उसे हिरासत में लेने टीम चंडीगढ़ पहुंची थी।